संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 232
पृष्ठ : 08
मूल्य :1.00
शनिवार 21 नवम्बर 2026

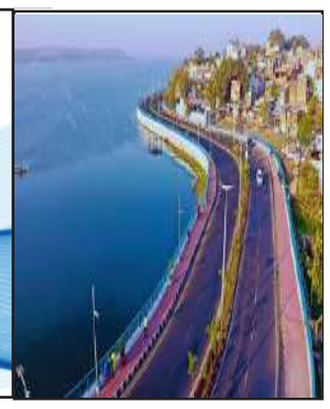
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

ट्रम्प-जिनपिंग और पुतिन की पहली बार एक साथ मीटिंग

जिनपिंग बोले- परमाणु हथियार इंसान के सिर पर लटकती तलवार, इन्हें खत्म करें



शेनझेन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने चीन के शेनझेन शहर में ऐतिहासिक बैठक की। यह पहली बार हुआ जब तीनों नेताओं ने एक साथ त्रिपक्षीय बैठक की।

मीटिंग में सबसे पहले परमाणु हथियारों के खतरों पर बातचीत हुई। जिनपिंग ने परमाणु हथियारों को इंसानियत के सिर पर लटकती तलवार बताया। उन्होंने कहा कि इन्हें पूरी तरह खत्म कर देना चाहिए।

पुतिन ने कहा कि रूस, चीन और अमेरिका तीनों ने दूसरे विश्व युद्ध में जीत हासिल की थी। इसलिए दुनिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी भी इन तीनों देशों की है। ट्रम्प ने कहा कि वे इस बात से बेहद खुश हैं कि तीनों देशों के बीच पहली बार त्रिपक्षीय बैठक हो रही है। यह इतिहास रचने जैसा है।

बैठक करीब 80 मिनट चली

चीन के सरकारी चैनल के मुताबिक, जिनपिंग, ट्रम्प और पुतिन के बीच हुई त्रिपक्षीय बैठक



खत्म होने के बाद ट्रम्प का काफिला किलिन विला से एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ। यह बैठक करीब 80 मिनट चली।

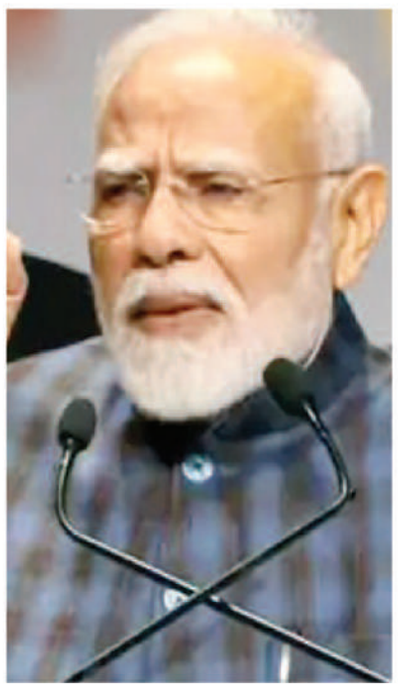
मोदी बोले- किसानों और कारोबारियों को गाली देने से देश नहीं बढ़ता

हमने 12 साल में इकोनॉमी बदली

राहुल ने कहा था- भारत आर्थिक संकट की ओर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि किसानों और कारोबारियों को गाली देने से देश आगे नहीं बढ़ता। उन्होंने कहा कि पिछले 12 साल में भारत की इकोनॉमी बदली है और 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। पीएम का यह बयान राहुल गांधी के आरोपों के एक दिन बाद आया है। राहुल ने बुधवार को न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में कहा था कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं।

50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले-पीएम मोदी ने कहा कि 1970 के दशक में गरीबी हटाओ का नारा दिया गया था, तब भारत की आबादी करीब 50 करोड़ थी। लेकिन अर्थव्यवस्था पिछले 12-13 साल में बदली है। आज 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले हैं। पीएम ने कहा कि कुछ कंपनियां विदेशों के लिए बेहतर और भारत के लिए कम गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाती हैं। इस सोच को बदलना होगा।



ग्लोबल मार्केट के अवसरों का फायदा उठाएं

प्रधानमंत्री ने कारोबारियों से घरेलू बाजार तक सीमित न रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कंपनियों को दूसरे देशों की जरूरतों और ग्राहकों की पसंद समझकर उत्पाद तैयार करने चाहिए। मोदी ने कहा कि सरकार रिफॉर्म एक्सप्रेस के जरिए लगातार सुधार कर रही है। उन्होंने कारोबारियों से बिना झिझक अपनी समस्याएं और सुधारों से जुड़े सुझाव देने को कहा। सरकार उनके साथ खड़ी है। पीएम ने कहा कि कंपनियों को ऐसे उत्पाद बनाने चाहिए, जो ग्राहकों की जरूरतों के मुताबिक हों और इस्तेमाल में आसान हों। इसके लिए बेहतर रिसर्च और नई तकनीक अपनाना जरूरी है।



सोना 1.30 लाख के नीचे आज 1,179 सस्ता हुआ

7 दिन में दाम 12 हजार गिरे, हफ्तेभर में चांदी 24 हजार सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। सोना पिछले 7 कारोबारी दिनों में करीब 12 हजार रुपए और चांदी करीब 24 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, गुरुवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,179 रुपए घटकर 1.30 लाख रुपए से नीचे आ गई। वहीं, एक किलो चांदी का भाव 2,158 रुपए गिरकर 1.62 लाख रुपए रह गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होने और बड़े निवेशकों के ऊंची कीमतों पर सोना-चांदी बेचने से इनके दाम गिर रहे हैं।

रिकॉर्ड हाई से से 2.18 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.80 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 2.18 लाख रुपए यानी करीब 130% सस्ती हो गई है। वहीं, 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.33 लाख रुपए था, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 46 हजार रुपए यानी करीब 35% सस्ता हो चुका है।



राहुल अमेरिका में बोले-

2024 का लोकसभा चुनाव अवैध था..लेकिन चुनाव का कभी बायकॉट नहीं करेंगे, ऐसा करते ही लोकतंत्र खत्म हो जाएगा

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव वैध नहीं था। इसमें कई फर्जी मतदाता थे। उन्होंने दावा किया कि एक ब्राजीलियाई महिला, जो कभी भारत नहीं आई, उसने एक विधानसभा चुनाव में 23 बार वोट डाला। राहुल से पूछा गया कि चुनाव में गड़बड़ी के बावजूद विपक्ष उनका बायकॉट क्यों नहीं करता? इस पर उन्होंने कहा, 'भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्र है। अगर हमने चुनावों का बायकॉट करने का फैसला किया, तो उसी पल भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। हम लोकतंत्र को खत्म नहीं करना चाहते। हमारी स्ट्रैटजी है कि हम लड़ें और भारत के लोगों को बताएं कि देश में क्या चल रहा है।' राहुल गांधी ने यह बात गुरुवार को यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ हुए संवाद के दौरान कही।

बहिष्कार का कदम नहीं उठा रहे...

राहुल ने कहा कि हम जानबूझकर चुनावी बहिष्कार का कदम नहीं उठा रहे हैं और हमें भरोसा है। चुनाव आयोग खुद अब अंदर से हमें जानकारी दे रहा है। इसलिए यह ढांचा कब ढहेगा, यह सिर्फ समय की बात है। चुनाव आयोग में वरिष्ठ लोग अब कह रहे हैं कि हम यह और नहीं कर सकते।'



भारत में हिंदुओं की हिस्सेदारी घटेगी, अमेरिका में दोगुनी हो जाएगी

इस्लाम 2035 तक दुनिया का सबसे बड़ा धर्म होगा

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर धार्मिक आबादी में हो रहे बदलावों को लेकर अमेरिका की प्यू रिसर्च सेंटर की नई रिपोर्ट सामने आई है। इसके मुताबिक, दुनिया की आबादी 2050 तक 9.30 अरब पहुंच सकती है, जो 2010 में करीब 6.90 अरब थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 के मुकाबले 2050 तक मुस्लिम आबादी करीब 73% बढ़ सकती है। यानी मुसलमानों की आबादी 1.6 अरब से बढ़कर लगभग 2.76 अरब हो जाएगी। 2020 से 2050 के बीच भारत में हिंदुओं की आबादी 17.6 करोड़ बढ़ने का अनुमान है। हालांकि, देश की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी घटने का अनुमान है। इसके बावजूद 2070 तक हिंदू भारत की कुल आबादी के तीन-चौथाई से ज्यादा बने रहेंगे। इस दौरान अमेरिका में हिंदुओं की आबादी दोगुनी हो जाएगी।



अमेरिका में 90 लाख हो जाएगी हिंदू आबादी

अमेरिका में भी हिंदुओं की आबादी दोगुने से ज्यादा होने का अनुमान है। 2020 में यहां करीब 40 लाख हिंदू थे, जिनकी संख्या 2070 तक बढ़कर 90 लाख हो सकती है। इस क्षेत्र की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से बढ़कर 2 प्रतिशत होने का अनुमान है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन ऐसे क्षेत्र होंगे, जहां हिंदुओं की कुल संख्या में गिरावट आने की संभावना है।

मुस्लिम महिलाओं के औसतन बच्चों की संख्या ज्यादा

प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक, पिछले कुछ दशक में भारत की कुल प्रजनन दर में गिरावट आई है। हालांकि, मुस्लिम महिलाओं के औसतन बच्चों की संख्या हिंदू महिलाओं से अधिक है। इसके अलावा भारत में मुस्लिम आबादी का आयु वर्ग भी अपेक्षाकृत युवा है। इन दोनों कारणों से आने वाले दशकों में देश की आबादी में मुस्लिमों का अनुपात बढ़ने और हिंदुओं की हिस्सेदारी में मामूली कमी आने का अनुमान है। प्यू रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि 2035 तक इस्लाम दुनिया का सबसे बड़ा धर्म बन सकता है। फिलहाल दुनिया में 2.27 अरब ईसाई और 2.02 अरब मुस्लिम हैं। अनुमान है कि 2035 तक मुस्लिम आबादी बढ़कर 2.57 अरब और ईसाई आबादी 2.52 अरब हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर सबसे ज्यादा है। 2020 से 2025 के बीच मुस्लिम महिलाओं में प्रति महिला औसतन 3.1 बच्चे पैदा हुए, जबकि ईसाई महिलाओं में यह आंकड़ा 2.5 और अन्य धर्मों में 1.6 रहा। प्यू के अनुमान के मुताबिक, 2070 तक दुनिया में मुस्लिमों की आबादी 3.6 अरब से ज्यादा हो सकती है।

दाऊद के पुश्तैनी घर 'मुसाफिरखाना' पर बुलडोजर एक्शन रोका गया

बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश, बीएमसी ने गुरुवार को कार्रवाई शुरू की थी

इमारत मस्जिद का हिस्सा भी था शामिल



मुंबई। मुंबई में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के के पुश्तैनी घर 'मुसाफिरखाना' को गिराने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने 23 नवंबर तक इमारत की मौजूदा स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। यह इमारत दक्षिण मुंबई के भिंडी बाजार इलाके की पाकमोडिया स्ट्रीट पर स्थित है। बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी ने गुरुवार को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच इमारत को गिराने की कार्रवाई शुरू की थी। इमारत को गिराने की कार्रवाई सड़क चौड़ीकरण से भी जुड़ी है। यह मकान मस्जिद का हिस्सा है। बीएमसी ने कहा था कि इमारत का केवल जर्जर हिस्सा गिराया जाएगा। मस्जिद को नहीं तोड़ा जाएगा।

1939 में बनी थी इमारत, सी-1 श्रेणी में रखा गया

हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाना नाम की यह इमारत 1939 में बनी थी। बीएमसी ने इसे जर्जर और खतरनाक घोषित करते हुए सी-1 श्रेणी में रखा था। इस श्रेणी में ऐसी इमारतें आती हैं जिन्हें खतरनाक मानकर गिराना जरूरी होता है। बीएमसी ने 18 और 19 नवंबर को इमारत गिराने की योजना बनाई थी। कार्रवाई के लिए मौके पर बड़ी संख्या में निगम कर्मचारी और पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। पूरी इमारत को चारों तरफ से नीली टिन की चादरों से ढक दिया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, भारी पुलिस सुरक्षा के बीच तोड़फोड़ की कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से शुरू हुई थी।

तूफान अकवान से पहले ओडिशा से 80 हजार लोग शिफ्ट

6 जिलों में 3 दिन स्कूल-आंगनवाड़ी बंद, 10 राज्यों में असर की आशंका, 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

विशाखापट्टनम/चेन्नई/भुवनेश्वर। *चक्रवाती तूफान अकवान के खतरे को देखते हुए ओडिशा और आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। ओडिशा में करीब 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, छह जिलों में 21 नवंबर तक स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। तूफान का असर देश के 10 राज्यों में देखने को मिल सकता है। इससे निपटने के लिए 74 रेस्क्यू टीमों को तैनात किया गया है।*

मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, चक्रवात के आज आंध्र प्रदेश के नरसापुर और ओडिशा के पुरी के बीच तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान हवा की रफ्तार 90 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और समुद्र में ऊंची लहरें उठने का खतरा है। इससे पहले गुरुवार को न्यूज एजेंसी एएनआई ने तूफान के तट से टकराने का अनुमान जताया था। चक्रवात के प्रभाव से ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में बारिश का दौर शुरू हो गया है। नौसेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अन्य राहत एजेंसियां अलर्ट पर हैं। रेलवे ने भी एहतियातन तीन ट्रेनों के रवाना होने के समय में बदलाव किया है। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।



10 राज्यों में दिखेगा तूफान का असर

1. **आंध्र प्रदेश :** चक्रवात का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश में होने की आशंका है। आज तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।
2. **ओडिशा :** आज और कल राज्य में भारी बारिश का अनुमान है। गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी में ज्यादा असर हो सकता है। निचले इलाकों में जलभराव और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा है।
3. **तमिलनाडु :** उत्तरी तमिलनाडु में भी भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई सहित तटीय इलाकों में जलभराव की आशंका है।
4. **पुडुचेरी :** पुडुचेरी और कराईकल में आज भारी बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान है। समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में जाने से रोका गया है।
5. **तेलंगाना :** राज्य के पूर्वी हिस्सों में आज और 21 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। निचले इलाकों में जलभराव और स्थानीय बाढ़ का खतरा है।
6. **पश्चिम बंगाल :** दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मिदनापुर, पश्चिमी मिदनापुर और झारग्राम में आज भारी बारिश हो सकती है।
7. **झारखंड :** आज और कल कुछ इलाकों में बारिश और कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है।
8. **छत्तीसगढ़ :** यहां तूफान सीधे नहीं टकराएगा, लेकिन आज और कल दक्षिणी और उत्तरी जिलों में बारिश हो सकती है।
9. **बिहार :** गया, नवादा समेत पांच जिलों में आज और 21 नवंबर को बारिश की संभावना है।
10. **मध्य प्रदेश :** राज्य के पूर्वी हिस्सों में अगले दो दिनों तक बारिश और आंधी का असर देखने को मिल सकता है।

संक्षिप्त डायरी

बगल में पूर्व डिप्टी सीएम का घर, सामने 40 करोड़ की लूट! 35 मिनट तक बंधक रहे लोग

एजेंसी

पटना। बिहार के बेतिया में बुधवार दोपहर सुप्रिया सिनेमा रोड स्थित सेनको गोल्ड एंड डायमंड शोरूम में आठ हथियारबंद अपराधियों ने लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। तीन मोटरसाइकिलों से पहुंचे लुटेरों ने कर्मचारियों और ग्राहकों को बंधक बनाकर करीब 30-35 मिनट तक लूटपाट की। बिहार के बेतिया में बुधवार दोपहर अपराधियों ने दिनदहाड़े ज्वेलरी शोरूम में करोड़ों रुपये की लूट को अंजाम दिया। आठ हथियारबंद अपराधी सुप्रिया सिनेमा रोड स्थित सेनको गोल्ड एंड डायमंड शोरूम में दाखिल हुए और बंदूक की नोक पर कर्मचारियों व ग्राहकों को बंधक बना लिया। करीब 30 से 35 मिनट तक शोरूम में लूटपाट करने के बाद आरोपी सोने और हीरे के गहने और गल्ले में रखी नकदी लेकर फरार हो गए। कर्मचारियों के मुताबिक, लूटे गए गहनों की कीमत करीब 30 से 40 करोड़ रुपये हो सकती है। हैरानी की बात यह है कि शोरूम भाजपा विधायक और बिहार की पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी के आवास के ठीक बगल में स्थित है। घटना बुधवार 18 नवंबर 2026 की दोपहर करीब 12:20 बजे की है। जानकारी के मुताबिक, तीन मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आठ अपराधी शोरूम पहुंचे थे। सभी हथियारों से लैस थे। अंदर दाखिल होते ही उन्होंने कर्मचारियों और ग्राहकों को बंदूक की नोक पर एक जगह इकट्ठा किया और उनके हाथ बांधकर बंधक बना लिया। अपराधियों ने सभी के मोबाइल फोन भी छीन लिए, ताकि कोई बाहर सूचना न दे सके। इसके बाद उन्होंने शोरूम में रखे सोने और हीरे के गहने बैग में भरे और गल्ले में रखी नकदी भी निकाल ली। पूरी वारदात को करीब आधे घंटे में अंजाम देने के बाद सभी आरोपी वहां से फरार हो गए। लूट के दौरान अपराधियों ने शोरूम के कर्मचारियों को धमकी भी दी। बताया जा रहा है कि जाते समय उन्होंने कहा, 'ये तो सिर्फ ट्रेलर है, पूरी फिल्म हम बाद में दिखाएंगे।' अपराधियों के जाने के बाद जब कर्मचारियों ने बाहर निकलकर शोर मचाया, तब आसपास के लोगों को वारदात की जानकारी हुई। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सेनको गोल्ड एंड डायमंड शोरूम भाजपा विधायक और बिहार की पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी के आवास के ठीक बगल में स्थित है। सुप्रिया सिनेमा रोड पर मॉल, कोचिंग संस्थान और कपड़ों के शोरूम होने के कारण दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है। इसके बावजूद अपराधियों ने दिनदहाड़े इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिया और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। घटना की सूचना मिलने के बाद चंपारण रेंज के डीआईजी हर किशोर राय, एसएसपी कुमार गौतम, सदर-1 और सदर-2 के डीएसपी, ट्रैफिक और क्राइम डीएसपी समेत पांच थानों के थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने शोरूम संचालक राकेश कुशवाहा, कर्मचारियों और घटना के समय मौजूद ग्राहकों से करीब आठ घंटे तक पूछताछ की। पूछताछ के बाद डीआईजी हर किशोर राय ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 12:20 बजे आठ अपराधी तीन मोटरसाइकिलों से शोरूम में दाखिल हुए थे। उन्होंने कहा कि कितने गहनों की लूट हुई है, इसका आकलन अभी नहीं हो पाया है। शोरूम के स्टॉक से सामान का मिलान किया जा रहा है, जिसमें समय लगेगा। डीआईजी के मुताबिक, अपराधियों की पहचान कर ली गई है और उसके आधार पर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि एक से दो दिनों में मामले में निष्कर्ष तक पहुंचा जा सकेगा। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

डीसीएलआर की गाड़ी से 216 लीटर शराब बरामद, निलंबन की सिफारिश

एजेंसी

पटना। बेगूसराय में भूमि सुधार उप समाहर्ता बखरी के विभागीय कार्यों में इस्तेमाल होने वाली निजी स्कॉर्पियो से 216 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद हुई। मामले में डीएम रिची पाण्डेय ने अधिकारी ललित कुमार सिंह के निलंबन और उनके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से की है। विभाग को अंतिम निर्णय लेना है। बेगूसराय जिला के भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) बखरी ललित कुमार सिंह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। उनके विभागीय कार्यों में इस्तेमाल होने वाली निजी स्कॉर्पियो से 216 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद हुई थी। जिलाधिकारी रिची पाण्डेय ने सिंह के निलंबन और अनुशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना से की है। जिला प्रशासन के अनुसार, जांच में प्रथम दृष्टया गंभीर प्रशासनिक अनियमितता और लापरवाही सामने आई है। यह मामला 13 नवंबर 2026 का है जब बेगूसराय पुलिस अवैध नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान चला रही थी। गुप्त सूचना पर पन्हास गांव के सामने लोहियानगर थाना और डीआईयू की टीम ने एक स्कॉर्पियो वाहन की तलाशी ली। वाहन संख्या बीआर09पीए-2905 से कुल 216 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से वाहन चालक आनंद कुमार सहित सत्यम कुमार और बिट्टू कुमार को गिरफ्तार किया था। मामले की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी रिची पाण्डेय ने उच्चस्तरीय जांच का निर्देश दिया। अपर समाहर्ता की रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी ने ललित कुमार सिंह के निलंबन की अनुशंसा विभाग को भेजी है। शराब बरामदगी और गिरफ्तारी 13 नवंबर 2026 को बेगूसराय पुलिस ने अवैध नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाया। पन्हास गांव के पास एक स्कॉर्पियो वाहन से 216 लीटर अवैध विदेशी शराब मिली। यह वाहन डीसीएलआर बखरी के विभागीय कार्यों में उपयोग होता था। पुलिस ने वाहन चालक आनंद कुमार, सत्यम कुमार और बिट्टू कुमार को गिरफ्तार किया। शराब बरामदगी की सूचना पर जिलाधिकारी रिची पाण्डेय ने तत्काल उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए। अपर समाहर्ता ने 17 नवंबर 2026 को जांच पूरी की और अपनी रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में गंभीर प्रशासनिक अनियमितता और लापरवाही की पुष्टि हुई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मद्यनिषेध कानून के क्रियान्वयन में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी सरकारी कर्मियों को पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में 3310 पदों पर होगी बहाली, नियुक्ति कब तक, किस पद पर कितनी वैकेंसी

एजेंसी

पटना। बिहार में जमीन के विशेष सर्वेक्षण को गति देने के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने 3310 पदों पर नियुक्ति की तैयारी की है। इसके अलावा भूदान की जमीन के आवंटन की जांच होगी और भूमि अधिग्रहण के लिए अलग विशेष सेल बनाया जाएगा। विभाग ने 328 स्थायी पदों पर बहाली की भी जानकारी दी है। बिहार में जमीन के विशेष सर्वेक्षण का काम तेज करने के लिए बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की जाएंगी। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग विभिन्न श्रेणियों के कुल 3310 पदों पर बहाली करेगा। विभाग ने फरवरी 2027 तक सभी पदों पर नियुक्ति पूरी करने का लक्ष्य रखा है। बुधवार को विभागीय मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने प्रेस वार्ता में कहा कि फरवरी 2027 तक नियुक्ति पूरी करने की कोशिश है, ताकि सर्वेक्षण के काम में पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध हो सके। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समीक्षा बैठक के दौरान भूमि सर्वेक्षण में तेजी लाने का निर्देश दिया था। इसी के तहत नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। विभाग का मानना है कि सर्वेक्षण पूरा होने और जमीन का पासबुक उपलब्ध होने से भूमि संबंधी विवादों में कमी आएगी। इससे जमीन विवाद के कारण होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने और अदालतों में लंबित मुकदमों का बोझ घटाने में भी मदद मिलेगी। भूदान की जमीन का होगा विशेष सत्यापन राज्य में भूदान के तहत दान की गई जमीन के रिकॉर्ड और उसके आवंटन की भी जांच कराई जाएगी। मंत्री के मुताबिक, विनोबा भावे के आह्वान पर तत्कालीन जमींदारों ने बिहार भूदान यज्ञ कमिटी को कुल 6 लाख 48 हजार 593 एकड़ जमीन दान की थी। इसका उद्देश्य भूमिहीन और जरूरतमंद परिवारों को जमीन उपलब्ध कराना था। अब तक 3 लाख 46 हजार 494 एकड़ जमीन की संपुष्टि हो चुकी है। इनमें से 2 लाख 42 हजार 601 एकड़ संपुष्ट भूमि जरूरतमंदों और सरकारी कार्यों के लिए आवंटित की जा चुकी है। मंत्री ने बताया कि करीब 6 हजार 235 एकड़ जमीन जरूरतमंदों के बीच वितरित की जाएगी। वहीं, 14 हजार एकड़ असंपुष्ट भूमि की विशेष जांच कराई जा रही है। विभाग को आशंका है कि भूदान की कुछ जमीन का आवंटन निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप नहीं हुआ।

अशोक पेपर मिल की जमीन पर बनेगा नया औद्योगिक ठिकाना, सीएम सम्राट ने दिए निर्देश

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दरभंगा स्थित अशोक पेपर मिल्स की भूमि को बिहार सरकार के औद्योगिक उपयोग में लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने मिल के मजदूरों की बकाया देनदारियों के भुगतान और उनके अधिकारों की रक्षा को सरकार की प्राथमिकता बताया। बिहार सरकार दरभंगा स्थित अशोक पेपर मिल्स की भूमि का औद्योगिक उपयोग करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि



उद्योग विभाग, दरभंगा जिला प्रशासन, मुख्य सचिव और महाधिवक्ता के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत विचार-विमर्श करें और आगे की प्रक्रिया जल्द पूरी करें। मुख्यमंत्री ने मिल के मजदूरों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनकी बकाया देनदारियों के भुगतान पर भी गंभीरता से विचार करने की बात कही है। दरअसल, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में 18 नवंबर 2026 को पटना स्थित लोक सेवक आवास के 'संकल्प' सभागार में अशोक पेपर मिल्स लिमिटेड की बिहार इकाई, दरभंगा से संबंधित समीक्षा बैठक हुई। बैठक में उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार और दरभंगा के जिलाधिकारी कौशल कुमार ने पेपर मिल की स्थापना से लेकर अब तक की स्थिति की जानकारी और रूपरेखा प्रस्तुत की। औद्योगिक उपयोग के लिए जमीन पर होगी आगे की कार्रवाई बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अशोक पेपर मिल्स की भूमि को बिहार सरकार के औद्योगिक उपयोग में लाने की दिशा में जरूरी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले में उद्योग विभाग के सचिव, दरभंगा के लाधिकारी, मुख्य सचिव और महाधिवक्ता आपसी समन्वय के साथ विस्तृत विचार-विमर्श करें, ताकि आगे की कार्रवाई जल्द सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस मामले में किसी तरह की देरी न हो और सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ तेजी से काम करें। सरकार का उद्देश्य मिल की भूमि के इस्तेमाल को लेकर समाधान की दिशा में आगे बढ़ना है। मजदूरों की बकाया देनदारियों पर भी सरकार गंभीर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अशोक पेपर मिल के मजदूरों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि मजदूरों की बकाया देनदारियों के भुगतान पर राज्य सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। मजदूरों को उनका हक दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार मजदूरों के अधिकारों और हितों की पूरी तरह रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। अशोक पेपर मिल से जुड़े मामले का समाधान निकालने के लिए सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, महाधिवक्ता एसडी संजय, उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, पटना के जिलाधिकारी कुंदन कुमार और दरभंगा के जिलाधिकारी कौशल कुमार समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नालंदा में 20 साल की नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, पांच महीने के बच्चे को छोड़ फरार हुआ ससुराल पक्ष

एजेंसी

पटना। नालंदा के हिलसा थाना क्षेत्र में 20 वर्षीय नवविवाहिता तनु कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके वालों ने दहेज प्रताड़ना और गला दबाकर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के बाद ससुराल पक्ष के लोग फरार हैं। नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के होरील बीघा गांव में एक 20 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान गांव निवासी नीतीश कुमार की पत्नी तनु कुमारी के रूप में हुई है। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, उसके नाम पर स्वयं सहायता समूह से लोन लेने और गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद ससुराल परिवार के सभी सदस्य पांच महीने के मासूम बच्चे को घर पर छोड़कर फरार हो गए। मृतका तनु कुमारी का मायका नालंदा जिले के एकंगरसराय थाना क्षेत्र के परथु गांव में है। उसके पिता का नाम महादेव बिंद है। परिजनों के अनुसार, 5 अप्रैल 2025 को तनु की शादी होरील बीघा गांव निवासी नीतीश कुमार से हुई थी। दोनों का पांच महीने का एक बेटा है। मायके वालों का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति और ससुराल के अन्य सदस्य दहेज में पैसों की मांग को लेकर तनु को प्रताड़ित करते थे। उस पर मायके से पैसे मंगवाने का दबाव बनाया जाता था। रात डेढ़ बजे ससुर ने फोन कर दी फांसी लगाने की सूचना मृतका के मामा लक्ष्मण कुमार ने बताया कि रात करीब एक से डेढ़ बजे के बीच तनु के ससुर ने फोन कर सूचना दी कि उसने फांसी लगा ली है। जब मायके वालों ने घटना का कारण पूछा तो ससुर ने बताया कि रात में सभी ने ठीक से खाना खाया था और पति-पत्नी एक ही कमरे में थे। बाद में तनु को फंदे से लटका हुआ देखा गया। सूचना मिलने के बाद मायके वाले आनन-फानन में होरील बीघा पहुंचे। वहां तनु का शव घर के आंगन में पड़ा मिला। आरोप है कि तब तक ससुराल के सभी सदस्य घर छोड़कर फरार हो चुके थे। घर में केवल पांच महीने का मासूम बच्चा मौजूद था। गले पर निशान, समूह से लोन लेने का भी आरोप मृतका के मामा लक्ष्मण कुमार ने हत्या की आशंका जताते हुए कहा कि तनु के गले पर स्पष्ट निशान थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोग लगातार मायके से पैसे मंगवाने का दबाव बनाते थे। मामा के मुताबिक, ससुराल वालों ने तनु के नाम पर स्वयं सहायता समूह से एक-दो लोन भी लिए थे। आरोप है

'संविधान को फाड़कर कूड़े में फेंका' - तेजस्वी यादव ने सम्राट सरकार के खिलाफ क्यों कही यह बात

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सम्राट चौधरी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। कहा कि इस सरकार ने संविधान को फाड़कर कूड़े में फेंक दिया है। तेजस्वी ने मंत्री अशोक चौधरी प्रकरण पर यह बातें क्यों कही बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने एक व्यक्ति के एक साथ मंत्री, सहायक प्राध्यापक और विधान पार्षद के पद पर रहने को लेकर सवाल उठाए हैं। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बिहार सरकार ने संविधान और नियमों की अनदेखी करते हुए नौ महीने से एक ऐसे व्यक्ति को मंत्री बना रखा है, जिसकी नियुक्ति और पद पर बने रहने को लेकर गंभीर आपत्तियां हैं। उन्होंने दावा किया कि लोकभवन ने भी एक व्यक्ति के तीन पदों पर रहने को लेकर आपत्ति जताई है। तेजस्वी ने कहा कि इस मामले को लेकर वह ऊपर तक जाएंगे। 'नौ महीने से फर्जी मंत्री को सरकार में बैठा रखा है' तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बिहार सरकार पर संविधान की अवहेलना का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, 'बिहार सरकार ने संविधान को फाड़कर कूड़े के ढेर में फेंक दिया है। नौ महीनों से एक फर्जी मंत्री को सरकार में बैठा रखा है और वह अवैध मंत्री हर प्रकार के अवैधानिक कार्यों में संलिप्त है।' तेजस्वी ने दावा किया कि लोकभवन ने एक ही व्यक्ति के एक साथ तीन पदों पर रहने यानी मंत्री, सहायक प्राध्यापक और विधान पार्षद होने पर गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि संविधान के प्रावधानों और नियमों के विपरीत संबंधित व्यक्ति की सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति की गई। नियुक्ति के अगले दिन छुट्टी पर जाने का भी उठाया मुद्दा तेजस्वी यादव ने सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति और उसके बाद छुट्टी पर जाने को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्ति से जुड़ी प्रक्रियाओं और नियमों की अनदेखी की गई। उनके मुताबिक, नियुक्ति के अगले ही दिन संबंधित व्यक्ति प्रोबेशन अवधि के दौरान लंबी और अनिश्चितकालीन छुट्टी पर चले गए। तेजस्वी ने विश्वविद्यालय के सेवा नियमों का हवाला देते हुए सवाल किया कि क्या प्रोबेशन अवधि में इस तरह की छुट्टी ली जा सकती है और क्या अनिश्चितकालीन छुट्टी स्वीकार करने का कोई प्रावधान है? 'लाभ के पद के तहत सदस्यता रद्द होनी चाहिए' तेजस्वी यादव ने इस मामले को लाभ के पद यानी 'ऑफिस ऑफ प्रॉफिट' से भी जोड़ा। उन्होंने मांग की कि संबंधित व्यक्ति की विधान परिषद की सदस्यता अविलंब रद्द की जानी चाहिए और धोखाधड़ी के मामले में कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के लाभ के पद से जुड़े फैसले का हवाला देते हुए कहा कि इस मामले में वेतन या भत्ता लेना ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि सदन का सदस्य रहते हुए लाभ का दूसरा पद स्वीकार करना भी अवैध हो सकता है। तेजस्वी ने दावा किया कि ऐसे मामले में सदस्यता उसी समय समाप्त मानी जाएगी। मुख्यमंत्री और सचिवालय पर भी साधा निशाना तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री को इस पूरे मामले की जानकारी नहीं है और मुख्यमंत्री सचिवालय से लेकर अन्य जगहों तक संविधान की अवहेलना की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति को एकमिनट भी मंत्री पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है।

तीन बड़े शहर, करोड़ों की लूट और एक जैसा तरीका; कब-कब हुई ऐसी वारदातें

एजेंसी

पटना। बिहार के बेतिया में अपराधियों ने करोड़ों की लूट को अंजाम दिया। ग्राहक बनकर सैनको गोल्ड एंड डायमंड्स शोरूम में घुसे बदमाशों ने महज कुछ मिनटों में 30 से 40 करोड़ रुपये के गहनों पर हाथ साफ कर दिया और बेखौफ होकर फरार हो गए। यह कोई पहली घटना नहीं है, जब बिहार में अपराधियों ने दिनदहाड़े इस तरह करोड़ों की लूट को अंजाम दिया हो। इससे पहले पटना, पूर्णिया और आरा में भी ज्वेलरी शोरूम को निशाना बनाकर बड़ी वारदातें हो चुकी हैं। आइए, एक-एक कर जानते हैं बिहार में कब और कहां अपराधियों ने ऐसी बड़ी लूट की वारदातों को अंजाम दिया बिहार में ज्वेलरी की दुकानें हमेशा से अपराधियों के निशाने पर रही हैं। 18 नवंबर को बेतिया के सैनको गोल्ड एंड डायमंड्स शोरूम में हुई घटना कोई पहली बड़ी वारदात नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में बिहार के अलग-अलग शहरों में ज्वेलरी शोरूम के भीतर लूटपाट की वारदातें हुई हैं। इन घटनाओं में अपराधियों का तरीका लगभग एक जैसा रहा है। ग्राहक बनकर शोरूम में घुसना, हथियारों के बल पर लोगों को बंधक बनाना और मिनटों में करोड़ों के गहने लूटकर फरार होना। इन वारदातों से यह भी साफ हो गया है कि अपराधियों के निशाने पर अब छोटी-मोटी दुकानें ही नहीं, बल्कि बड़े और प्रतिष्ठित ज्वेलरी शोरूम भी हैं। बेतिया में लूट ले गए 30 से 40 करोड़ रुपये के गहने पश्चिम चंपारण के बेतिया में 18 नवंबर 2026 को सैनको गोल्ड एंड डायमंड्स शोरूम में बड़ी लूट हुई। दोपहर करीब 12:30 बजे तीन मोटरसाइकिलों पर सवार आठ हथियारबंद बदमाश शोरूम पहुंचे। उन्होंने हथियारों के बल पर कर्मचारियों और ग्राहकों को काबू कर उनके मोबाइल फोन छीन लिए गए। लुटेरों ने शोकेस और तिजोरियों से सोने, चांदी और हीरे के आभूषण समेट लिए। विरोध करने पर कर्मचारियों के साथ मारपीट भी की गई। करीब 20 मिनट तक बदमाश शोरूम में रहे और फिर करोड़ों के गहने लेकर फरार हो गए। शुरूआती अनुमान के मुताबिक, लूटे गए आभूषणों की कीमत 30 से 40 करोड़ रुपये के बीच बताई गई है। हालांकि पुलिस ने वास्तविक रकम का आकलन जल्द जारी होने की बात कही है। चंपारण रेंज के डीआईजी ने बताया कि शोरूम में उपलब्ध स्टॉक का मिलान कर वास्तविक कीमत का आकलन किया जा रहा है। इसलिए अंतिम नुकसान की पुष्टि जांच और स्टॉक मिलान के बाद ही होगी। एक महिला ग्राहक के अनुसार, जाते समय एक बदमाश ने कहा, ह्यहम फिर आएंगे, यह एक फिल्म आरा के तनिष्क शोरूम में 25 करोड़ की लूट 10 मार्च 2025 को भोजपुर जिले के आरा में तनिष्क शोरूम को निशाना बनाया गया था। सुबह करीब 10:30 बजे पांच से छह हथियारबंद बदमाश ग्राहक बनकर शोरूम में दाखिल हुए। उनके हाथों में पिस्तौलें थीं और चेहरों पर मास्क या हेलमेट थे। अंदर घुसते ही उन्होंने सुरक्षा गार्ड पर हमला कर उसकी राइफल छीन ली।

पटना में युवक की गोली मारकर हत्या; कान और पेट में सटाकर गोली मारी, पीट-सिर पर चोट के निशान

एजेंसी

पटना। पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के आलमपुर-गानपुरा इलाके में 24 वर्षीय ओमप्रकाश उर्फ खाजा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसे कान के नीचे और पेट में सटाकर गोली मारे जाने की जानकारी सामने आई है। पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के आलमपुर गोनपुरा गांव में अपराधियों ने 24 वर्षीय युवक ओमप्रकाश उर्फ खाजा की गोली मारकर हत्या कर दी। गुरुवार सुबह खेत में उसका शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान स्वर्गीय विष्णु देव राय के पुत्र ओमप्रकाश के रूप में हुई है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, वह देर रात से घर से गायब था। प्रारंभिक जांच में युवक के कान के नीचे और पेट में गोली लगने के निशान मिले हैं। इसके अलावा सिर और पीठ पर भी चोट के निशान पाए गए हैं। सूचना मिलने पर फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम



के लिए एम्स भेज दिया। घटनास्थल से मिला जिंदा कारतूस, जेब से रुपये बरामद पुलिस को घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस मिला है। वहीं, मृतक की जेब से कुछ रुपये भी बरामद हुए हैं। मामले की जांच के लिए एफएसएल की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जरूरी साक्ष्य जुटाए। इसके अलावा जांच में मदद के लिए डॉग स्क्वायड की टीम को भी बुलाया गया। शरीर पर तीन से चार चोट और गोली के निशान फुलवारी शरीफ एसडीपीओ-2 उमेश्वर चौधरी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि आलमपुर गांव के खेत में एक युवक की हत्या कर उसका शव फेंका गया है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो शव की पहचान ओमप्रकाश के रूप में हुई। एसडीपीओ के मुताबिक, शुरूआती जांच में युवक के शरीर पर तीन से चार चोट और गोली लगने के निशान मिले हैं। पुलिस हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने के साथ आरोपियों की पहचान में जुटी है। पुलिस अधिकारी ने जल्द ही हत्याकांड का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार करने की बात कही है।

प्रखंड प्रमुख के 4 ठिकानों पर ईओयू की छापेमारी, 1.25 करोड़ की आय से अधिक संपत्ति का खुलासा

एजेंसी

पटना। बिहार के सीतामढ़ी जिले में आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने बाजपट्टी के प्रखंड प्रमुख मोहम्मद अफजल आलम के चार ठिकानों पर आय से अधिक संपत्ति के मामले में छापेमारी की है। एडव के अनुसार, प्रथम दृष्टया उनकी ज्ञात आय से 1,25,03,500 रुपये यानी करीब 1.25 करोड़ रुपये अधिक संपत्ति के साक्ष्य मिले हैं। बिहार के सीतामढ़ी जिले में आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने बाजपट्टी के प्रखंड प्रमुख मोहम्मद अफजल आलम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में



गुरुवार (19 नवंबर) को उनके चार ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई। शुरूआती जांच में 1 करोड़ 25 लाख 3 हजार 500 रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के साक्ष्य मिले हैं। एडव के मुताबिक, यह संपत्ति उनकी ज्ञात आय से करीब 259.94 प्रतिशत अधिक है। तलाशी अभियान पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। दिसंबर 2021 में बने थे प्रखंड प्रमुख आर्थिक अपराध इकाई की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मोहम्मद अफजल आलम (पिता सादिक अंसारी) के खिलाफ विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया था। अफजल आलम दिसंबर 2021 में पंचायत समिति सदस्य चुने गए थे। इसके बाद वह बाजपट्टी के प्रखंड प्रमुख बने। आरोप है कि प्रखंड प्रमुख का पद संभालने के बाद उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया और भ्रष्ट तरीकों से ज्ञात आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। जांच में प्रथम दृष्टया 1,25,03,500 रुपये की अतिरिक्त संपत्ति के साक्ष्य सामने आए हैं। इस मामले में आर्थिक अपराध थाना कांड संख्या 33/26 के तहत 18 नवंबर 2026 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) और धारा 13(1)(बी) के तहत दर्ज किया गया है। इसके बाद एडव ने मुजफ्फरपुर स्थित विशेष न्यायालय निगरानी से तलाशी अधिपत्र यानी सर्च वारंट प्राप्त किया। वारंट मिलने के बाद गुरुवार को चार ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया गया। पैतृक घर से सरकारी कार्यालय तक चार जगह छापेमारी एडव की टीम मोहम्मद अफजल आलम से जुड़े सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर के चार ठिकानों पर तलाशी ले रही है। इनमें बाजपट्टी थाना क्षेत्र के हरपुरवा स्थित उनका पैतृक मकान और निजी मकान शामिल हैं। इसके अलावा बाजपट्टी स्थित प्रखंड प्रमुख के सरकारी कार्यालय और मुजफ्फरपुर जिले के औराई थाना क्षेत्र के मकसुदपुर गांव स्थित उनके निजी आवास पर भी छापेमारी की जा रही है। एडव ने बताया कि तलाशी की कार्रवाई पूरी होने के बाद मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। फिलहाल टीम दस्तावेजों और अन्य संपत्तियों से जुड़े साक्ष्यों की जांच कर रही है।



प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस-2026 का शुभारंभ किया

युवा लाते हैं देश और समाज में परिवर्तन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को ग्वालियर में यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस-2026 समारोह में युवाओं से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने यंग थिंकर्स एवं सुधिजनों को देवोत्थान एकादशी (तुलसी विवाह) की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज से श्रीहरि विष्णु योगनिद्रा से जाग गए हैं। युवा ही देश और समाज में परिवर्तन लाते हैं। यह समय सबके जागने और समाज को जगाने का भी है। देवोत्थान एकादशी पर हम सभी नए विचारों, नए संकल्पों के साथ जागृत हों। हमें अपने भविष्य की चुनौतियों से मुकाबले के लिए भी तैयार होना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दौर में भारत विश्व का सबसे युवा देश है और यह हमारी पूंजी भी है, लेकिन युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति फोकस्ड होने और प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने के लिए खुद को योग्य बनाना होगा। इसके लिए युवाओं को सही दिशा दिखाने की आवश्यकता है। यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस-2026 का उद्देश्य भी यही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तीन दिवसीय आयोजन में भारतीय ज्ञान परम्परा, दर्शन सहित 300 से अधिक विषयों पर वैचारिक मंथन होगा। उन्होंने कहा कि भारत ही दुनिया में एकमात्र देश है, जो हर तरह के विचारों और धारणाओं का स्वागत करता है। यहां विचारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है और यह हमारी खूबी भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तीन दिवसीय %थिंकर्स कॉन्फ्लुएंस-2026% की सराहना करते हुए कहा कि देश भर से पंजीयन और चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए 300 युवाओं के विचारों का यह संकलन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के %विकसित भारत% के संकल्प को सिद्ध करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर के लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान में तीन दिवसीय यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस- 2026 के आठवें संस्करण का शुभारंभ किया। इस तीन दिवसीय आयोजन में देश के 26 राज्यों से चयनित लगभग 350 युवा विद्वान, अचीवर्स, कलाकार और लेखक भाग ले रहे हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने लेखक श्रीकृष्ण श्रीवास्तव द्वारा लिखित अल्लामा इक़बाल के दो चेहरे नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम प्रदेश के युवाओं की असीम ऊर्जा, योग्यता, उनके कौशल, हुनर, नवाचारी सोच और उनकी कार्य दक्षता का उपयोग मध्यप्रदेश के विकास में करने के लिए युवाओं को हरसंभव अवसर उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अगले वर्ष को युवा वर्ष घोषित किया है। युवाओं के कल्याण के लिए हमारी सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। युवा वर्ष में हम योजनाबद्ध रूप से अपने प्रयासों को और भी गति देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी और दाता बंदीछोड़ की नगरी है। यहां की मिट्टी हमेशा विचारशीलता से समृद्ध रही है। ग्वालियर ने पूरे देश को दिशा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर विदेशी आक्रांताओं ने कई बार आक्रमण किया, लेकिन यह मंदिर आज भी अपने सम्पूर्ण वैभव के साथ खड़ा है। समंदर किनारे सनातन संस्कृति की ध्वजा शान से लहरा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की विविधताओं से परिपूर्ण संस्कृति में वसुधैव कुटुम्बकम का भाव है। हमारी संस्कृति सबको जोड़ती है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति का प्रभाव संयुक्त राष्ट्र संघ के निर्णयों पर भी प्राय: दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता देना भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रभाव का सबसे बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने प्राचीन कालगणना के आधार पर वैदिक घड़ी विकसित की है, जो आगामी सिंहस्थ महाकुंभ में श्रद्धालुओं को वैदिक रूप से समय बताएगी। उन्होंने कहा कि हमारी काल गणना में 27 नक्षत्र हैं, जो एक वर्ष में 4 बार आते हैं। उज्जैन में सम्राट विक्रमादित्य का शासनकाल हो या अलग-अलग क्षेत्रों के शासनकर्ता हों, सभी ने सिक्कों का निर्माण कराया और इन सिक्कों पर अपने राज्य की विशिष्ट पहचान साफ नजर आती थी।



सीईओ जिला पंचायत ने किया जिला पुस्तकालयों एवं उन्नत उद्यानिकी प्रक्षेत्रों का निरीक्षण

विद्यार्थियों एवं कृषकों से किया संवाद

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत भोपाल श्रीमती इला तिवारी द्वारा शहर के प्रमुख पुस्तकालयों तथा विकासखंड फंदा के उन्नत कृषि व उद्यानिकी प्रक्षेत्रों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण में सीईओ श्रीमती तिवारी ने मौलाना आज़ाद सेंट्रल लाइब्रेरी, स्वामी विवेकानंद लाइब्रेरी एवं जिला पुस्तकालय भोपाल का दौरा किया। उन्होंने पुस्तकालयों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, अध्ययन व्यवस्था, पुस्तकों की उपलब्धता एवं विद्यार्थियों के लिए किए गए प्रबंधों का जायज़ा लिया। उन्होंने वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं व सुझावों को भी जाना। सीईओ श्रीमती तिवारी ने पुस्तकालयों की वर्तमान व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए उन्हें और अधिक सुव्यवस्थित, सुविधाजनक एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के निर्देश दिए, ताकि ये केंद्र विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन एवं बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

इसी क्रम में सीईओ श्रीमती तिवारी ने विकासखंड फंदा अंतर्गत ग्राम मुबारकपुर स्थित कृषक श्री हर्षित गोधा के प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। यहां उन्होंने एवोकाडो नर्सरी एवं ड्रैगन फ्रूट के बगीचे का अवलोकन करते हुए कृषक से इन उच्च-मूल्य वाली फसलों की खेती के तौर-तरीकों की विस्तृत जानकारी ली। इसके पश्चात उन्होंने ग्राम बरखेड़ा बोंदर में कृषक श्री रामसिंह कुशवाह के प्रक्षेत्र पर निर्मित पॉलीहाउस में गुलाब एवं जरबेरा की व्यावसायिक खेती का निरीक्षण किया। इस दौरान सीईओ ने पॉलीहाउस में ऑटोमेशन सिस्टम के माध्यम से पौधों को खाद एवं दवाइयां प्रदाय करने की उच्चतम तकनीक का अवलोकन कर इसकी कार्यप्रणाली की सराहना की।

किसान, गरीब, महिला और युवाओं के कल्याण एवं उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्ध : ऊर्जा मंत्री तोमर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

ऊर्जा मंत्री एवं पांढुर्णा जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर आज अपने एक दिवसीय प्रवास पर पांढुर्णा पहुंचे। उन्होंने ग्राम पंचायत



भंदारगोंदी में आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर में शामिल होकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं हितग्राहियों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली। मंत्री श्री तोमर ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री श्री तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास के नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव की मंशानुसार मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार को प्रशासनिक अमला एवं जनप्रतिनिधि गांव-गांव पहुंचकर शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचा रहे हैं। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं का उनके निवास के समीप ही निराकरण किया जा रहा है। आज जरूरतमंदों को राशन, लाड़ली बहनों को प्रतिमाह आर्थिक सहायता, किसानों को सम्मान निधि सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। ये योजनाएं आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसान, गरीब, महिला एवं युवा सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह 2026 का विधिक जागरूकता बाइक रैली के साथ भव्य समापन

न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, डिफेंस काउंसिल, पैरालीगल वॉलंटियर्स एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर जन-जन तक पहुंचाया विधिक जागरूकता का संदेश

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के कुशल मार्गदर्शन एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के नेतृत्व में 14 नवंबर से 20 नवंबर 2026 तक आयोजित न्यायोत्सव ङ्क विधिक सेवा सप्ताह 2026 का समापन को विधिक जागरूकता बाइक रैली के भव्य आयोजन के साथ हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर बाइक रैली को रवाना कर किया गया। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल ने स्वयं बाइक रैली में सहभागिता कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया तथा विधिक जागरूकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने अपने संदेश में कहा कि विधिक जागरूकता समाज के प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है। विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना तथा प्रत्येक व्यक्ति के लिए न्याय तक समान



पहुंच सुनिश्चित करना है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नागरिकों को उनके अधिकारों एवं विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। बाइक रैली के माध्यम से आमजन को निःशुल्क विधिक सहायता, नागरिकों के संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों, महिलाओं एवं बच्चों के अधिकारों तथा राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। रैली में सम्मिलित प्रतिभागियों ने विधिक जागरूकता संबंधी नारों एवं संदेशों के माध्यम से आमजन को न्याय तक समान पहुंच एवं निःशुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता के प्रति जागरूक किया। रैली में जिला विधिक सहायता अधिकारी, अधिवक्तागण, न्यायालयीन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण, डिफेंस काउंसिल के सदस्य, पैरालीगल वॉलंटियर्स , सामाजिक कार्यकर्ता, विधि विद्यार्थी एवं अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न विधिक जागरूकता एवं जनहितकारी गतिविधियों का उद्देश्य आमजन को उनके विधिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना, निःशुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता का प्रचार-प्रसार करना तथा विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना रहा। साथ ही निःशुल्क विधिक सहायता हेल्पलाइन नंबर 15100 का व्यापक प्रचार-प्रसार कर जरूरतमंद व्यक्तियों को विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रकार विधिक जागरूकता बाइक रैली के साथ न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह 2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस आयोजन ने समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय, विधिक जागरूकता एवं निःशुल्क विधिक सहायता का संदेश पहुंचाने के संकल्प को और अधिक सशक्त किया।

मिलियन प्लस सिटी श्रेणी में नगर निगम इंदौर को देश में प्रथम पुरस्कार

मध्यप्रदेश सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य और सर्वाधिक ऋण वितरण में देश में प्रथम स्थान

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित स्वनिधि सम्मान पुरस्कार-2026 समारोह में मध्यप्रदेश को दो राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रदेश ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य तथा सर्वाधिक ऋण वितरण की श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही प्रदेश के तीन नगरीय निकाय इंदौर, सारणी और बालाघाट ने भी अपनी-अपनी श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। जनजातीय बाहुल्य जिले बालाघाट को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश के दूरस्थ अंचलों एवं जनजातीय समुदाय के लाभार्थियों तक इस योजना का लाभ पहुंचा है। मालवा अंचल के इंदौर से लेकर सतपुड़ा अंचल के सारणी और महाकौशल के बालाघाट की यह राष्ट्रीय उपलब्धियां प्रदेश में इस योजना के व्यापक क्रियान्वयन एवं प्रसार को रेखांकित करती है। समारोह में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल तथा केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। मध्यप्रदेश की ओर से नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे, नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे तथा अपर आयुक्त एवं मिशन संचालक पीएम स्वनिधि श्री शिशिर गेमावत ने पुरस्कार प्राप्त किए। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के नगरीय



निकायों ने भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। मिलियन प्लस सिटी श्रेणी में नगर निगम इंदौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इंदौर ने पथ विक्रेताओं को संस्थागत ऋण उपलब्ध कराने, योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। इसी प्रकार टाउन सिटी श्रेणी में नगर पालिका परिषद सारणी ने द्वितीय तथा नगर पालिका परिषद बालाघाट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। दोनों निकाय ने पात्र पथ विक्रेताओं की पहचान, ऋण आवेदन एवं स्वीकृति प्रक्रिया में सहयोग, बैंकिंग संस्थाओं के साथ समन्वय तथा योजना के लाभों को अंतिम हितग्राही तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्य के साथ तीन नगरीय निकाय को राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त यह सम्मान प्रदेश में पथ विक्रेताओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करता है। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में अब तक 10 लाख 87 हजार से अधिक पथ विक्रेताओं को लाभान्वित किया गया है। प्रदेश में 17 लाख 22 हजार से अधिक ऋण प्रकरणों के माध्यम से लगभग 2 हजार 827 करोड़ 84 लाख रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है। योजना ने शहरी क्षेत्रों में रेहड़ी-पटरी, ठेला, फल-सब्जी, खाद्य सामग्री और अन्य छोटे व्यवसायों से जुड़े पथ विक्रेताओं को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बिना संपार्श्विक प्रतिभूति के कार्यशील पूंजी ऋण मिलने से छोटे व्यवसायियों को अपना कारोबार संचालित करने, व्यवसाय का विस्तार करने तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्राप्त हुए हैं। मध्यप्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से पथ विक्रेताओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ने के लिए भी निरंतर प्रयास किए गए हैं। प्रदेश के 7 लाख 61 हजार से अधिक पथ विक्रेताओं ने डिजिटल लेनदेन को अपनाया है। डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के परिणामस्वरूप हितग्राहियों को 59 करोड़ 72 लाख रुपये से अधिक की कैशबैक प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई है। योजना के कुल हितग्राहियों में लगभग 40 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। इससे महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होने के साथ ही पारिवारिक आय बढ़ाने और आर्थिक रूप से सशक्त बनने में सहायता मिली है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त इन उपलब्धियों के लिए प्रदेश के सभी नगरीय निकायों, विशेष रूप से इंदौर, सारणी और बालाघाट के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है।

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध प्रदेशव्यापी कार्रवाई

विगत तीन दिनों में 1 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ एवं तस्करी में प्रयुक्त वाहन जब्त

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार एवं पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में प्रदेश में नशे के अवैध कारोबार, मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध खेती के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों में विगत तीन दिनों में पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में गांजा, एमडी ड्रग्स एवं स्मैक/ब्राउन शुगर जब्त की है। इन कार्रवाइयों में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही तस्करी में प्रयुक्त वाहन सहित लगभग 1 करोड़ 27 लाख 9 हजार रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। थाना भेड़ाघाट पुलिस ने चौकीताल नहर के पास संदिग्ध अवस्था में खड़े स्कार्पियो वाहन की तलाशी ली। वाहन की डिक्की में खाकी टेप से लिपटे 12 पैकेटों में 136 किलो 84 ग्राम गांजा मिला, जिसकी अनुमानित कीमत 68 लाख 42 हजार रुपये है। पुलिस ने गांजे के साथ स्कार्पियो वाहन भी जब्त



कर वाहन चालक के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। वहीं, थाना घमापुर पुलिस ने चांदमारी तलैया क्षेत्र में गांजे की बिक्री में संलिप्त महिला को गिरफ्तार किया। उसके घर की अलमारी में रखे थैले से 1 किलो 7 ग्राम गांजा जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 50 हजार रुपये है। थाना सिराली पुलिस ने ग्राम रहटाकलां बस स्टैंड के पास कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 99 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 20 लाख रुपये है। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मादक पदार्थ के स्रोत एवं तस्करी नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है। इंदौर पुलिस ने थाना हीरानगर क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 12.90 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये है। कनाड़िया पुलिस ने नशे के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 20 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ मंदसौर निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से एमडी ड्रग्स एवं कार सहित लगभग 4 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। इसी प्रकार थाना जूनी इंदौर, राजेंद्र नगर एवं हीरानगर पुलिस द्वारा 51.52 ग्राम ब्राउन शुगर तथा क्राइम ब्रांच द्वारा ड्रग्स तस्करी नेटवर्क से जुड़े दो सप्लायरों को गिरफ्तार कर लगभग 6 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत ग्राम बेरासिया, राजगढ़ में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पंवार, सांसद नागर, विधायक शर्मा एवं संभागायुक्त शर्मा रहे उपस्थित

जनसमस्याओं का हुआ त्वरित निराकरण

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर शुक्रवार को नरसिंहगढ़ विकासखंड के ग्राम बेरासिया में आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रदेश शासन के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मत्स्य कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग नारायण सिंह पंवार, सांसद रोडमल नागर, नरसिंहगढ़ विधायक मोहन शर्मा, भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा, पंजीयन विभाग के महानिरीक्षक आलोक सिंह, कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा, पुलिस अधीक्षक अमित टोलानी सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के माध्यम से सरकार स्वयं गांव और चौपाल तक पहुंचकर नागरिकों की समस्याओं का समाधान कर रही है। शिविरों में अधिकारी उपस्थित होकर आमजन की समस्याएं सुन रहे हैं और उनके निराकरण के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने पेयजल समस्या के समाधान के लिए अभी से सर्वेक्षण कर कार्ययोजना तैयार करने तथा पाइपलाइन क्षतिग्रस्त करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की



योजनाओं का उद्देश्य लोगों को आत्मनिर्भर बनाना एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। सांसद रोडमल नागर ने कहा कि जनविश्वास अभियान आमजन की समस्याओं के समाधान की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने किसानों से जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने, जैविक खाद अपनाने, फसल चक्र एवं पशुपालन को बढ़ावा देने की अपील की। साथ ही नागरिकों से बच्चों की शिक्षा, रोजगार एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता को आवश्यक बताया। विधायक मोहन शर्मा ने कहा कि शासन की मंशा है कि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शहरों एवं कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि अधिकारी गांव पहुंचकर समस्याओं का निराकरण करें। उन्होंने भूमि संबंधी विवादों को आपसी समझाइश से सुलझाने, भाईचारा बनाए रखने तथा बच्चों को शिक्षा एवं रोजगार से जोड़ने की अपील की। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण एवं पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि राजगढ़ जिला सीएम हेल्पलाइन की रैंकिंग में टॉप-5 में शामिल है। अधिकारियों को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत निर्धारित समय-सीमा में सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने उद्यम क्रांति योजना एवं स्वामित्व योजना की जानकारी देते हुए

चाय-कॉफी के बीच माचा की एंट्री, भारत में क्यों बढ़ रहा इस ग्रीन ड्रिंक का क्रेज



जापान की माचा टी का भारत में आज एक अलग ही क्रेज है. इस ग्रीन टी से सेहत को भी फायदे मिलते हैं. ये भारत में इतनी पॉपुलर क्यों हो रही है, चलिए आपको बताते हैं...

नोएडा में रहने वाली 17 साल की अनन्या को परीक्षा की तैयारी के लिए देर रात तक जागना पड़ता है. पहले वह इसके लिए स्ट्रॉन्ग कॉफी पीती थी, लेकिन इसके बाद अक्सर उसे बेचैनी और नींद न आने की समस्या होने लगी. एक दिन दोस्तों के साथ कैफे में उसने पहली बार 'आइस्ड वनीला माचा लाटे' ट्राई किया. इसका स्वाद पसंद आया और अब वह हफ्ते में दो-तीन बार कैफे जाकर माचा पीती है. घर के लिए भी माचा पाउडर खरीद लाई है.

अनन्या की तरह ही अब यंग जनरेशन अपने ड्रिंक्स के ऑप्शन बदल रही है. भारत में सुबह भले ही अदरक वाली चाय या फिल्टर कॉफी से होती रही हो, लेकिन दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और पुणे जैसे मेट्रो शहरों के कैफे मेन्यू में अब एक नया रंग जुड़ गया है. यह रंग है जापान के पारंपरिक ग्रीन टी ड्रिंक माचा का, जो अब कैफे कल्चर से निकलकर युवाओं के बीच ट्रेंड बन रहा है.

माचा और इसकी हिस्ट्री

माचा खास तरीके से उगाई गई ग्रीन टी की पत्तियों का बेहद बारीक पाउडर है. इसकी शुरुआत चीन में हुई थी, लेकिन इसे असली पहचान जापान में मिली. सदियों पहले बौद्ध संत इसे चीन से जापान लेकर आए थे. धीरे-धीरे यह जापान के पारंपरिक चाय समारोह 'चा-नो-यू' का अहम हिस्सा बन गया. बौद्ध संत लंबे समय तक ध्यान और साधना के दौरान सतर्कता बनाए रखने के लिए इसे पीते थे.

सामान्य ग्रीन टी से कैसे अलग है माचा?

अक्सर लोग माचा और सामान्य ग्रीन टी को एक ही समझते हैं, लेकिन दोनों में अंतर है. माचा की खेती में कटाई से करीब 20 से 30 दिन पहले चाय के पौधों को छाया में ढक दिया जाता है. इससे पत्तियों में क्लोरोफिल और कुछ अमीनो एसिड का स्तर बढ़ता है और उनका रंग गहरा हरा हो जाता है.सामान्य ग्रीन टी में पत्तियों को गर्म पानी में डालकर अर्क निकाला जाता है और बाद में पत्तियां छान दी जाती हैं. वहीं माचा में पत्तियों को सुखाकर बारीक पाउडर बनाया जाता है, जिसे पानी या दूध में घोलकर पिया जाता है. यानी इसमें पूरी पत्ती का सेवन होता है. इसका स्वाद हल्का कसैला, मिट्टी जैसा और उमामी नोट्स लिए होता है.

महंगा होने के बावजूद क्यों बढ़ रही है मांग?

माचा का गहरा हरा रंग और आकर्षक प्रेजेंटेशन इसे सोशल मीडिया की पसंद बना रहा है. कॉफी के विकल्प तलाश रहे युवाओं के बीच भी इसका क्रेज बढ़ा है. डायटीशियन गीतिका चोपड़ा कहती हैं माचा और कॉफी दोनों में कैफीन होता है, लेकिन शरीर पर इनका असर अलग हो सकता है. कॉफी में कैफीन ज्यादा होता है, इसलिए ये अलर्ट्स और एनर्जी तेजी से बढ़ा सकती है. माचा में कैफीन के साथ एल-थिएनाइन नाम का अमीनो एसिड भी होता है. ये कॉम्बो फोकस करने और अलर्टनेस बनाए रखने में हेल्प कर सकता है. कुछ लोगों को माचा पीकर कॉफी की तुलना में कम बेचैनी और एनर्जी महसूस होती है, सब पर इसका असर एक जैसा नहीं होता.

माचा में कैटेचिन, खासकर ईजीसीजी (EGCG) जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो कोशिकाओं को ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस से बचाने का रोल करते हैं.

सोनिया गांधी का संस्मरण 'बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव' एक बेहतरीन निजी कहानी



सोनिया गांधी की राजनीतिक मौजूदगी और उनकी निजी कहानी लोगों का ध्यान खींचती है। अमेरिकी दूतावास के एक टेलीग्राम में उनके व्यक्तित्व के उस अनोखे मिश्रण का जिक्र था, जिसमें एक तरफ भारतीय संस्कार थे, तो दूसरी तरफ उनकी मूल इतालवी पहचान झलकती थी। यह उनके सौम्य और निजी स्वभाव को दर्शाता है। उनकी हालिया किताब, %बिलॉन्गिंग= ए जर्नी ऑफ लव' (अपनापन = मोहब्बत का एक सफर)एक विवाद के बाद प्रकाशित हुई।कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के इर्द-गिर्द आखिर क्या रहस्य है? वह 1968 में एक युवा दुल्हन के रूप में भारत आईं, और सार्वजनिक जीवन में इतने साल बिताने के बाद भी, बहुत कम लोग ही उन्हें ठीक से जानते हैं। वह अपनी निजी जिंदगी को काफी हद तक निजी ही रखती हैं, जिससे उनकी पसंद, भारत के लिए उनकी दृष्टि और विभिन्न मुद्दों पर उनकी राय को लेकर कई सवाल अनसुलझे रह जाते हैं।

कुछ लोग उन्हें एक पहेली मानते हैं, तो कुछ उन्हें घमंडी समझते हैं या फिर ओर्बासानो की सिंड्रेला कहते हैं। लोगों की राय चाहे जो भी हो, वह एक असाधारण महिला साबित हुई हैं। भारत में अपने दो बच्चों की परवरिश करने में उनके प्रयासों को काफी श्रेय दिया जाता है।सोनिया गांधी की राजनीतिक मौजूदगी और उनकी निजी कहानी लोगों का ध्यान खींचती है। अमेरिकी दूतावास के एक टेलीग्राम में उनके व्यक्तित्व के उस अनोखे मिश्रण का जिक्र था, जिसमें एक तरफ भारतीय संस्कार थे, तो दूसरी तरफ उनकी मूल इतालवी पहचान झलकती थी। यह उनके सौम्य और निजी स्वभाव को दर्शाता है। उनकी हालिया किताब, बिलॉन्गिंग-ए जर्नी ऑफ लव' (अपनापन = मोहब्बत का एक सफर)एक विवाद के बाद प्रकाशित हुई। पहले इसे पेंगुइन पब्लिशर्स ने लेने से मना कर दिया था, जिसके बाद हार्परकॉलिन्स ने इसे प्रकाशित किया।यह किताब आत्मकथा और राजनीतिक टिप्पणी का एक मिला-जुला रूप है। इसमें इटली में एक युवा लड़की के रूप में उनके जीवन और बाद में गांधी परिवार के साथ बिताए गए समय की झलक मिलती है। यह किताब चुनिंदा बातों पर ईमानदारी से बात करती है। इसमें उनकी गोतनी मेनका गांधी के परिवार से दूर होने, संजय गांधी, इंदिरा गांधी, नरेंद्र मोदी, आरएसएस और विभिन्न राजनीतिक घटनाक्रमों पर उनके विचारों को शामिल किया गया है।

सोनिया कहती हैं, कई मायनों में, यह किताब उनकी इंसानियत को एक श्रद्धांजलि है। मेरी कहानी पाठकों को एक अनोखा नजरिया भी देती है। वह बताती हैं कि कैसे उन्होंने उस खूबसूरत देश में, जिसे वह अपना मानती हैं, छह दशकों तक सामाजिक और राजनीतिक बदलावों को करीब से देखा है।10 नवंबर को जारी 544 पन्नों का यह संस्मरण, युद्ध के बाद के इटली और कैम्ब्रिज में बिताए गए समय से लेकर भारतीय राजनीति तक सोनिया गांधी के सफर को बयां करता है। यह 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद प्रधानमंत्री का पद संभालने को लेकर राजीव की शुरुआती हिचकिचाहट को उजागर करता है।

1946 में इटली के मिलन में एक साधारण परिवार में जन्मीं सोनिया का शुरुआती जीवन उम्मीदों और महत्वाकांक्षाओं से भरा था, जो बाद में उनके सामने आई राजनीतिक उथल-पुथल से बिल्कुल अलग था। उन्होंने बताया, %दिल टूटने और अपनों को खोने के दुख ने ही मुझे राजनीति के सार्वजनिक क्षेत्र में ला खड़ा किया। उस समय तक, मैंने अपनी निजता (प्राइवेसी) को बहुत सख्ती से बचाकर रखा था।उनकी कहानी उनके बचपन से शुरू होती है, जिसमें बताया गया है कि कैसे उनके पालन-पोषण ने उनमें काम के प्रति एक मजबूत निष्ठा पैदा की। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में उनकी मुलाकात राजीव गांधी से हुई–एक ऐसी मुलाकात जिसने उनके जीवन को पूरी तरह से बदल दिया। यह किताब एक विदेशी देश की एक युवा लड़की से लेकर दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टियों में से एक की नेता बनने तक के उनके सफर को दर्शाती है।1968 में राजीव के साथ सोनिया की शादी से भारतीय राजनीति में उनका प्रवेश हुआ। उनकी कहानी में इस बात का जिक्र है कि शुरुआत में वह कितनी हिचकिचा रही थीं और उन्हें सांस्कृतिक अंतर के कारण किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वह इंदिरा गांधी के घर के जीवन और भारतीय पारिवारिक माहौल में ढलने के अपने प्रयासों को याद करती हैं, जिसमें तीखा खाना खाना सीखना भी शामिल था। वे कुछ खास व्यंजनों का जिक्र करती हैं, जैसे कूर्ग की एवोकाडोकरी और कई तरह की तीखी सब्जियां।1991 में राजीव की हत्या उनके जीवन का एक बड़ा मोड़ साबित हुई। उनकी अचानक मौत ने सोनिया को सार्वजनिक जीवन के केंद्र में ला दिया और उन्हें अपने डर का सामना करने के लिए मजबूर किया। वह बताती हैं कि राजीव उनके लिए %एक ऐसी मौजूदगी बन गए जो हमेशा उनके भीतर रहती है, न कि कोई ऐसी कमी जो हमेशा चुभती रहे।' जब दलाई लामा ने उनसे पूछा कि क्या वे अपने पति के हत्यारों के प्रति बदले की भावना रखती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, नहीं, बिल्कुल नहीं।यह किताब उनके गहरे दुख और उस साहस को दिखाती है, जिसकी बदौलत वह अपने, अपने बच्चों और अपनी पार्टी के लिए आगे बढ़ने में सफल रहीं। उन्होंने अपने दुख को ताकत में बदल दिया और एक नेता के रूप में उभरीं। सोनिया को कई सवालों के जवाब %भगवद गीता' में मिले। हालांकि वह वयस्क होने पर बहुत धार्मिक नहीं थीं, फिर भी 1997 में उन्होंने इस ग्रंथ को पढ़ने के लिए एक संस्कृत विद्वान से निजी तौर पर शिक्षा ली। गीता का यह संदेश कि बिना किसी मोह के अपना कर्तव्य निभाना चाहिए', उनके दिल को छू गया और इससे उन्हें अपने भीतर के द्वंद्वों को सुलझाने में मदद मिली। उनकी कहानी का एक मुख्य विषय यह है कि नेतृत्व में साहस (लचीलापन) और सहानुभूति कितनी महत्वपूर्ण होती है।विभिन्न समुदायों के साथ सोनिया के प्रत्यक्ष अनुभव उनके शासन-दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। वह ज़मीनी राजनीति के प्रति प्रतिबद्ध हैं, और ऐसी कई कहानियां हैं जो आम लोगों के साथ उनके जुड़ाव को दिखाती हैं। यह किताब भारतीय राजनीति की जटिलताओं का बारीकी से विश्लेषण करती है, जहां गठबंधन और प्रतिद्वंद्विताएं लगातार बदलती रहती हैं। सोनिया ने व्यावहारिकता और आदर्शवाद के साथ इन चुनौतियों का सामना किया, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री का पद क्यों ठुकराया, या अपने दोनों बच्चों को राजनीति में क्यों शामिल किया।

कांग्रेस पार्टी के इतिहास और भविष्य पर अपने विचारों के ज़रिए, सोनिया समकालीन मुद्दों का एक सामयिक राजनीतिक विश्लेषण पेश करती हैं। हालांकि, भोपाल गैस त्रासदी और वॉरेन एंडरसन के भाग निकलने के मामले पर वह चुप रहती हैं। वह शाह बानो मामले पर चर्चा करती हैं और बताती हैं कि कैसे राजीव ने मुस्लिम पर्सनल लॉ को चुनौती दिए बिना, शाह बानो और उनके जैसी अन्य महिलाओं की मदद करने की कोशिश की थी। सोनिया ओत्तावियोक्वात्रोची का ज़िक्र करने से भी बचती हैं और अपना ध्यान उन रिश्वत के आरोपों पर केंद्रित रखती हैं जिसमें राजीव गांधी को आरोपी बनाया गया था और जिसे 2004 के दिल्ली उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया गया था। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि %बोफोर्स% आज भी राजनीतिक विरोध का एक जरिया बना हुआ है।

सोनिया भारतीय राजनीति के बदलते परिदृश्य पर जोर देती हैं। उनकी कहानी न केवल उनके निजी अनुभवों के बारे में है, बल्कि यह भारत के व्यापक राजनीतिक परिदृश्य को भी दर्शाती है, जिसमें चुनौतियों के बीच सार्थक योगदान देने का उनका दृढ़ संकल्प झलकता है।बिलॉन्गिंग के जरिए, सोनिया गांधी ने अपने जीवन की एक झलक पेश की है। उन्होंने अपने संघर्षों, अपनी जीतों और उन मूल्यों को साझा किया है जिन्होंने उनके सफर में उनका मार्गदर्शन किया है।

संपादकीय

न्याय व्यवस्था पर उठते सवाल

देश में लोकतंत्र को खत्म करने और संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादा को तोड़ने की कोशिशों के बीच बार-बार न्यायपालिका की तरफ उम्मीदों भरी नजरों से देखा जा रहा है कि शायद यहां से ऐसे फैसले आएं, जिनसे आम लोगों में उम्मीद बंधे कि भारत का विचार हर हाल में जिंदा रहेगा। लेकिन बीते कुछ दिनों में कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिन्हें देखकर निराशा हो रही है कि क्या भारत के विचार को न्यायपालिका बचा पाएगी। उदार, लोकतांत्रिक, समावेशी, विविधता में एकता इन्हीं विचारों से भारत बना है और सदियों से अपने मूल्यों पर टिका हुआ है। आजादी की लड़ाई में इन मूल्यों के कारण ही स्वाधीनता सेनानियों के हौसले बंधे रहे और शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य को अपनी पताका भारत से उतारनी पड़ी। जब संविधान बना तो लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखने के लिए हरेक नागरिक को वोट का अधिकार दिया गया। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत रही। लेकिन इस बार जिस तरह से चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर किया है, उससे आम नागरिक की वोट देने की ताकत को ही छीना जा रहा है। अब इसी एसआईआर के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं राहुल गांधी समेत अन्य लोगों ने दायर की हैं।सोमवार को इन याचिकाओं में एक अर्जी और जोड़ी गई, जिसमें अदालत से दरख्वास्त की गई कि चुनाव आयोग से 48 सवाल पूछने की अनुमति दी जाए। दरअसल पहले 17 नवंबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कथित एकतरफा फैसलों पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी थी, जो अब 9 दिसंबर को होगी। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट से अनुरोध किया कि विपक्ष के नेताओं की तरफ से सोमवार को दाखिल आवेदन पर नोटिस जारी करे, लेकिन कोर्ट ने इससे मना कर दिया और कहा कि सुनवाई के बाद नोटिस पर फैसला लिया जाएगा। बता दें कि आवेदन में राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग से जो 48 सवाल पूछे थे, उनमें खास सवाल हैं कि पूरे देश में एसआईआर कराने का फैसला किसने लिया? कितने फैसलों पर मुख्य चुनाव आयुक्त की राय से दो अन्य चुनाव आयुक्त असहमत थे? %फॉर्म 6' को बदलने का फैसला किसने लिया? मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों ने 26 अक्टूबर के जवाबी हलफनामे को कब और कैसे मंजूरी दी- किसी बैठक में, फाइल के जरिए, या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से? 19 फरवरी 2025 से 26 अक्टूबर 2026 के बीच, चुनाव आयुक्त संधू और चुनाव आयुक्त जोशी ने कितनी बार लिखित आपत्तियां दर्ज कराईं?अगर शीर्ष अदालत चुनाव आयोग से इन सवालों को पूछने की अनुमति देती तो फिर ज्ञानेश कुमार को जवाब देना ही पड़ता। अभी तो बात टलने से एक तरह से ज्ञानेश कुमार को थोड़ी राहत मिल गई है, इससे भाजपा को भी अपनी रणनीति पर काम करने के लिए मोहलत मिल गई है, मगर एसआईआर के कारण मतदान के अधिकार से वंचित लोगों को न्याय मिलने का वक्त भी बढ़ गया है। वोटर गाइड देखेंअब 9 दिसंबर की सुनवाई में अदालत की तरफ से क्या कहा जाता है, और चुनाव आयोग किस तरह एसआईआर में हो रही अनियमितताओं को सही साबित करेगा, यह देखने का इंतजार रहेगा।इधर एक और अहम फैसला सुप्रीम कोर्ट से 28 अक्टूबर की सुनवाई में आया, जो 2002 के गुजरात दंगों में बिलकिस बानो के साथ हुए सामूहिक बलात्कार से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो केस में दो दोषियों की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें जमानत दे दी है। बिपिनचंद्र जोशी और प्रदीप मोढ़िया बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में सजा काट रहे थे। दोनों ने जमानत की अपील की थी। जिस पर न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश, न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने अपील पर सुनवाई करते हुए गौर किया कि बिपिनचंद्र जोशी और प्रदीप मोढ़िया 17 साल से अधिक समय से जेल में बंद हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 28 अक्तूबर के अपने आदेश में कहा कि एक अपीलकर्ता गंभीर रूप से दिव्यांग है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने कसी कमर



उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव-2027 की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और संगठन बल के साथ अपनी तैयारियों को अंतिम स्वरूप प्रदान करने में जुट गई है। भाजपा ने युवा, महिला, किसान व गरीब समाज को साधने के लिए सरकारी खजाना खोल दिया है। समाज के प्रत्येक वर्ग तक अपनी पहुँच को बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ योजनाओं की बहार ला रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ÷तब और अब÷ के अंतर को बताते हुए जनता के मध्य उतर चुकी है। मुख्यमंत्री योगी अब हर उत्सव के दौरान जनमानस को यह बता रहे हैं कि ÷उपद्रव से उत्साह की यात्रा नए उप्र की पहचान बन चुकी है।÷ प्रदेश सरकार वर्तमान समय में जहां अपने संकल्प पत्र को पूर्णता प्रदान करने की ओर अग्रसर है वहीं नये लक्ष्यों का भी संकल्प लिया जा रही है। योगी आदित्यनाथ हिन्दू समाज को एकजुटता प्रदान करने का कोई अवसर नहीं चूक रहे हैं।

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल से युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत दूसरे चरण में 25 लाख टैबलेट वितरण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर और हरदोई के 300 से अधिक शिक्षण संस्थानों के 50 हजार से अधिक युवाओं को टैबलेट दिया। मुख्यमंत्री योगी ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं से अपना नाम मतदाता सूची मे दर्ज करवाने की अपील करते हुए उनसे बजरंग बली की तरह अपनी शक्ति पहचानने का आह्वान भी किया।

साथ ही मुख्यमंत्री योगी अपनी सरकार में 2019 से अभी तक युवाओं के लिए हुए कार्यों की जानकारी देते हुए अगली सरकार में युवाओं के लिए किए जा रहे संकल्पों की झलक भी दिखाई। योगी ने युवाओं से वादा किया कि आगामी 26 जनवरी तक युवाओं को एक लाख नौकरियां और दी जाएंगी। पहले चरण में अभी तक 60 लाख युवाओं को टैबलेट व स्मार्टफोन दिए जा चुके हैं। इनमें इन्फोसिस के सहयोग से अनेक पाठ्यक्रमों की डिजिटल सामग्री मुफ्त उपलब्ध कराई है। इनमें योग से लेकर एआई और डीपटेक जैसे आधुनिक विषय शामिल हैं। युवा साथी ऐप के माध्यम से छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पीएम और सीएम इंटर्नशिप, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान और पीएम मुद्रा सहित केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी मिलेगी। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती अवसर पर यह योजना प्रारंभ की गई थी और दो करोड़ युवाओं को डिजिटल उपकरण देने का संकल्प लिया गया था। आईआईएम लखनऊ से कराए गए अध्ययन में इसके उत्साहजनक परिणाम सामने आए और अब युवाओं को स्मार्टफोन की जगह टैबलेट दिए जा रहे हैं।इस समय उत्तर प्रदेश भारत का सबसे युवा प्रदेश है, जहां 56 से 60 प्रतिशत आबादी युवा वर्ग की है। देश की राजधानी दिल्ली में नीट की परीक्षा में धांधली को लेकर छात्रों का आक्रोश भारत सरकार ने झेला था तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद त्याग भी करना पड़ा था। कॉकरोच जनता पार्टी ने स्कूल-कालेजों की बदहाली के नाम पर उत्तर प्रदेश में भी युवाओं को भड़काने का असफल प्रयास किया किंतु प्रदेश सरकार की सतर्कता के कारण अराजक तत्व प्रदेश के युवाओ को भड़काने में नाकाम रहे। प्रदेश सरकार युवाओं को यह भी बता रही है कि 2017 से पूर्व प्रदेश में युवाओं के समक्ष पहचान का संकट था जबकि आज वे गर्व से खुद को उत्तर प्रदेश का निवासी बताते हैं। मुख्यमंत्री योगी यह बात भी अवश्य बताते हैं

कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में अब तक प्रदेश में 9.50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। आठ हजार लेखपालों और 32 हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती पूरी हो चुकी है।सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है।अगले दस दिनों में 42 हजार होमगार्डों को भी नियुक्ति पत्र देने की तैयारी है। शिक्षा विभाग, लोकसेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से भी बड़ी संख्या में नियुक्तियां होंगी। अभी तक शिक्षा विभाग के 3,568 पंचायती राज विभाग के 1,375 खेल कोटे के 470 फोरेंसिक विभाग के 28, पुलिस के 4,543 उपनिरीक्षकों और राजस्व विभाग के 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं।

प्रदेश के युवाओं को केवल सरकारी नौकरी ही नहीं दी जा रही है अपितु विभिन्न माध्यमों से अन्य रोजगार भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में केवल 120 स्टार्टअप थे किंतु आज 25 हजार से अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों के माध्यम से तीन करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। बदलते यूपी मे आज ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर अमेठी में ए के -203 राइफल का निर्माण हो रहा है। देश में बनने वाले 55 प्रतिशत मोबाइल फोन और 60 प्रतिशत इलेक्ट्रोनिक कंपोनेंट का निर्माण यूपी में हो रहा है। लखनऊ की एचसीएल इकाई में एक समय केवल 100 कर्मचारी थे आज उनकी संख्या 18 हजार है।

आज का उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं रहा क्योंकि अब प्रदेश दंगा मुक्त, माफिया मुक्त व अराजकता मुक्त हो चुका है। कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक हो जाने के कारण अब निवेशक भी प्रदेश की विभिन्न योजनाओं में निवेश करने के लिए आकर्षित हो रहे हैं जिसके कारण युवाओं को रोजगार व नौकरी के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। युवाओं को नौकरी के लिए विदेश जाने के अवसर भी सुलभ हो रहे हैं। कौशल विकास के भी कई कार्यक्रम चल रहे हैं। आगामी समय में प्रदेश सरकार छात्राओं के कल्याण के लिए रानी लक्ष्मीबाई योजना के अंतर्गत छात्राओं को स्कूटी वितरण का अभियान प्रारंभ करेगी।

वन ब्लॉक व वन पूर्व सैनिक योजना से भी युवाओं को प्रशिक्षण देने का अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक में एक पूर्व सैनिक को जिम्मेदारी देकर स्थानीय युवाओं को सेना, अर्धसैनिक बल, पुलिस और अग्निवीर भर्ती की तैयारियों के लिए प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। प्रदेश सरकार चुनावों की घोषणा के पूर्व अभी अपने तरकश से कुछ और तीर निकाल सकती है। इनमें महिलाओं के कल्याण के लिए भी बड़ी योजना आने की सम्भावना है। कुल मिलाकर प्रदेश सरकार अपने मतदाता को बांध कर रखने के लिए कल्याण योजनाओं को अधिकतम विस्तार देने का प्रयास करेगी।

सबसे खास सर्दियों का अहसास

हर साल एक नया अहसास है ठंड का मौसम। इस बार ठंड में सर्दी-जुकाम से डरने की जगह इनसे लड़ने के लिए खुद को और अपने परिवार को तैयार कीजिए। ठंड के लिए ऐसे ऊनी कपड़ों का चुनाव कीजिए, जो आपके परिवार को पर्याप्त गर्माहट दे और साथ ही स्टाइलिश लुक भी। कैसे चुनें ऊनी कपड़ों और उनकी देखभाल के दौरान किन बातों को ध्यान में रखें -





सर्दी के मौसम में बदरंग और बोरिंग दिखने के दिन अब लद गए। जाड़े का मौसम भी अब स्टाइलिश हो गया है। ठंड से बचने के लिए अब जरूरी नहीं कि खुद को बोरिंग और गहरे रंग के कपड़ों के हवाले कर दिया जाए। ठंड से खुद को और अपने परिवार को बचाते हुए अब आप स्टाइलिश भी दिख सकती हैं, पर इसके लिए जरूरी है कि अपने कपड़ों का चुनाव आप सोच-समझकर करें और साथ ही गर्मी के कपड़ों और ठंड के कपड़ों के बीच अच्छा तालमेल भी बिठाएं।

लेयरिंग का है मौसम

वो दिन गए जब ठंड के मौसम में अपने कपड़ों की परत को छुपाने की कोशिश करते थे। अब एक साथ दो-तीन कपड़े पहनने और उन्हें दिखाने का ट्रेंड आ गया है। अपने ठंड के कपड़ों को निकालें और तरह-तरह के कॉम्बिनेशन में उन्हें पहनें। जरूरी नहीं है कि ठंड का मौसम आते ही आप अपने गर्मी वाले कपड़ों को अलविदा कह दें। उन्हें भी ठंड के मौसम में अपने गर्म कपड़ों के बीच जगह दें। ठंड के मौसम में फैशनेबल दिखने का मूलमंत्र यही है। अपने जैकेट, कार्डिगन और पुलोवर को अपने कॉटन के शर्ट या ड्रेस के साथ पहनें। एक्सपेरिमेंट करने से नहीं घबराएं। एक्सपेरिमेंट करेंगी, तभी कपड़ों की कई परत के साथ भी औरों से अलग दिखेंगी।

सोच-समझकर चुनें रंग

ठंड के मौसम में हमेशा गहरे और आकर्षक रंग चुनें। पेस्टल रंग के कपड़े ठंड के मौसम को नीरस बना देंगे। ठंड के कपड़े खरीदते वक्त ऐसे रंग चुनें जो इस बदरंग मौसम में रंग भरें। ऐसे स्वेटर या ऊनी कपड़े न चुनें, जिसके पैटर्न में एक साथ ढेर सारे रंग हों। साधारण पैटर्न और एकाध रंग वाले ऊनी कपड़े चुनें। ऑरेंज, गोल्डन ब्राउन, ऑफ व्हाइट या फिर पीले रंग वाले ऊनी कपड़े पहनने से बचें।

एक्सेसरीज भी बदलें

अपनी एक्सेसरीज में बदलाव लाकर आप अपने लुक को बेहद आसानी से बदल सकती हैं। अगर ठंड बहुत ज्यादा है तो पशमीना शॉल को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। साथ ही आप स्टाइलिश मफलर और फर वाले स्टोल से भी स्टाइल स्टेटमेंट बना सकती हैं। हैट्स और ऊनी टोपी भी ठंड के मौसम में आपको स्टाइलिश लुक देंगे और ठंड से भी बचाएंगे।

फ्लोरल प्रिंट्र से बनाएं दूरी

फ्लोरल प्रिंट के कपड़े गर्मी के मौसम में ही ज्यादा अच्छे लगते हैं। अगर आपको ये प्रिंट बहुत ही ज्यादा पसंद हैं और आप ठंड में भी इन्हें पहनना चाहती हैं तो ठंड के मौसम में थोड़े गहरे प्रिंट वाले कपड़े अपने लिए चुनें। ठंड के मौसम के आपके वॉर्डरोब में ये गहरे फ्लोरल पिंट्र वाले कपड़े आसानी से घुल-मिल जाएंगे। अगर आप फ्लोरल प्रिंट वाले कपड़े पहन ही रही हैं तो पूरी बाजू वाले कपड़े चुनें। इससे फ्लोरल प्रिंट का असर कुछ कम हो जाएगा।

बूट्स से बनें फैशनेबल

गर्मियों के फुटवियर को कुछ माह आराम दें और जूते और बूट्स को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। अपनी गर्मी के मौसम के कपड़े को ठंड वाला लुक देने के लिए इससे बेहतर तरीका कुछ और नहीं। जींस और कार्डिगन के साथ बूट्स पहनें और ठंड से बचने के साथ-साथ इस मौसम के अनुकूल लुक भी पाएं।

बच्चों जैसे मुलायम, उनके कपड़े

ठंड से मासूम बच्चों को बचाकर रखना आसान काम नहीं है। बच्चों के लिए ठंड का मौसम सेहत भरा रहे, इसके लिए जरूरी है कि इस सर्द मौसम में भी वो पूरी तरह से गर्म रहें। बच्चों के लिए ठंड के कपड़ों का चुनाव करते वक्त इसलिए हमेशा फैशन और ट्रेंड की जगह उनके आराम और कपड़ों की गर्माहट का ध्यान रखें। बच्चों के लिए हमेशा मुलायम और आरामदायक ऊनी कपड़े चुनें। कपड़े का फैब्रिक ऐसा हो जो उनकी मुलायम त्वचा को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचाए। बच्चों के ऊनी कपड़े हमेशा थोड़े हल्के रंग के चुनें ताकि आपको आसानी से पता चल सके कि वो कब गंदे हो गए हैं और उन्हें साफ करने की जरूरत है। बच्चे को कभी भी एक साथ ढेर सारे कपडे न पहनाएं। बहुत ज्यादा कपड़े पहनाने पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। बच्चे के लिए ढीली फिटिंग वाले और ढेर सारे बटन वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि इन कपड़ों को पहनाते और उतारते वक्त आपको और आपके बच्चे दोनों को परेशानी न हो। बच्चे के लिए पूरी बाजू वाले ऊनी कपडे चुनें ताकि उनके हाथ भी गर्म रहें। अगर ठंड बहुत ज्यादा हो तो बच्चे के कान में रुई के फाहे डाल दें और ऊनी टोपी या स्कार्फ पहनाएं ताकि बच्चे का सिर भी गर्म रहे। कभी भी बच्चे को सबसे पहले ऊनी कपड़ा न पहनाएं। पहले नीचे कोई सूती कपड़ा पहनाएं और उसके ऊपर से उसे ऊनी कपड़ा पहनाएं। बच्चे की त्वचा में किसी तरह की एलर्जी न हो, इसलिए ठंड के मौसम में उसके पूरे शरीर में हर दिन विटर क्रीम लगाएं। ठंड बहुत ज्यादा हो, तब भी सोते वक्त बच्चे को ढेर सारे कपड़े न पहनाएं और न ही उनके ऊपर ढेर सारे कंबल डालें। बच्चे के पैरों को गर्म रखने के लिए उनके लिए ऐसे पाजामे खरीदें, जिनके साथ जुराबें जुड़ी हुई रहती हैं। बच्चे के हाथ भी जल्दी ठंडे हो जाते हैं, इसलिए उनके हाथों को गर्म रखने के लिए उन्हें ग्लव्स पहनाना न भूलें।

खिल उठेंगे आपके ऊनी कपड़े

- ऊनी कपड़ों की ओर बैक्टीरिया और धूल-मिट्टी जल्दी आकर्षित होते हैं, इसलिए अपने जैकेट और कोट को नियमित अंतराल पर ब्रश से साफ करें। इससे आपके सर्दियों के कपड़े न सिर्फ साफ रहेंगे, बल्कि किसी तरह की स्किन एलर्जी और रैशेज होने की आशंका भी नहीं रहेगी।
- ठंड के कपड़ों को बीच-बीच में धूप में सुखाएं। पर ध्यान रहे कि सूरज की तेज रोशनी आपके ऊनी कपड़ों पर सीधी न पड़े। ऐसा करने से आपके ऊनी कपड़े बदरंग हो जाएंगे। वहीं धूप में ऊनी कपड़ों को सुखाने से उसकी नमी गायब हो जाएगी और साथ ही सभी कीटाणु भी मर जाएंगे। ऊनी कपड़े को धूप में सुखाने से वो न सिर्फ आपको ज्यादा गर्माहट देंगे, बल्कि उन्हें पहनने पर भी आपको ज्यादा अच्छा महसूस होगा।
- अपने भारी-भरकम स्वेटर को वॉर्डरोब में लटकाकर नहीं रखें। भारी स्वेटर को लटकाकर रखने से स्वेटर की फिटिंग बिगड़ जाती है। साथ ही हैंगर से स्वेटर को लटकाकर रखने से कंधे वाले हिस्से के जल्दी फटने की आशंका बढ़ जाती है।
- ऊनी कपड़े बेहद नाजुक होते हैं। लंबी उम्र देने के लिए ऊनी कपड़ों को धोने के लिए हमेशा माइल्ड साबुन या डिटर्जेंट और गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। माइल्ड साबुन और डिटर्जेंट के इस्तेमाल से आपके ऊनी कपडमें की चमक और उनका वास्तविक लुक बरकरार रहेगा। गुनगुना पानी आपके ऊनी कपड़ों में छिपे कीटाणुओं को मारेगा और उसकी स्वच्छता को बरकरार रखेगा।
- स्वेटर और कार्डिंगन में अकसर रोंए हो जाते हैं। ये रोंए स्वेटर और किसी अन्य वस्तु के बीच रगड़ खाने से होते हैं। ये रोंए आपके नए और स्टाइलिश स्वेटर को भी पुराना और गंदा लुक दे सकते हैं। इन रुओं को हटाने के लिए छोटे रेजर का इस्तेमाल करें और अपने स्वेटर को फिर से नया लुक दें।
- अपने स्वेटर पर लगे दाग-धब्बों को हटाने के लिए कभी भी उन पर ब्लीच का इस्तेमाल न करें। ब्लीच के इस्तेमाल से आपका स्वेटर बदरंग हो जाएगा। कभी भी ऐसे डिटर्जेंट में स्वेटर न धोएं, जिसमें ब्लीच हो।
- एक ही स्वेटर को तीन दिन से ज्यादा लगातार न पहनें। ऐसा करने से स्वेटर का शेप बिगड़ जाता है। साथ ही आपका स्वेटर जल्दी खराब और पुराना भी हो जाएगा।



ठंड में बच्चा न हो पस्त

अचानक मौसम परिवर्तन का असर सभी पर होता और इससे छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सर्दी, जुकाम और गले में इंफेक्शन के अलावा छोटे बच्चों को ये परेशानियां सबसे ज्यादा होती हैं -

रोटा वायरल डायरिया - इसमें बच्चे को दस्त, उल्टी और बुखार एक साथ होता है। बच्चे के शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है और बुखार के कारण वह सुस्त और चिड़चिड़ा हो जाता है। बच्चा कभी-कभी बहुत कमजोर भी हो जाता है।

एलर्जी और अस्थमा - इस मौसम में बच्चों को सांस संबंधी परेशानी भी होती है। बंद नाक और गले में जकड़न के साथ नाक और आंख से पानी भी गिरता रहता है। तेज हवा और प्रदूषण से सांस लेने में दिक्कत आने लगती है।

आंखों में इंफेक्शन - इस मौसम में आंखों में भी इंफेक्शन होने लगता है। आंखों की पलकें रात में चिपक जाती हैं और सुबह बच्चे को आंख खोलने में परेशानी होती है।

त्वचा में लाल दाने - सर्दी में त्वचा में रैशेज और दाने की समस्या प्रायः छोटे बच्चों में हो जाती है। इसका कारण एलर्जी और हार्मोन में बदलाव के साथ ठंडी हवा भी है।

निमोनिया - यह ठंड के मौसम में बच्चों को होने वाली सबसे आम समस्या है। इसमें बच्चे को तेज बुखार होता है और साथ ही उसका सिर बहुत गर्म रहता है। कभी-कभी बच्चे के लंग्स में भी दिक्कत हो जाती हैं।

क्या है कारण

ठंड में प्रतिरोधक क्षमता का कम होना - सर्दी के मौसम में बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य दिनों से कम हो जाती है। इसलिए किसी भी प्रकार का मौसम परिवर्तन का असर तुरंत बच्चे पर पड़ता है।

बड़ों की लापरवाही - अक्सर बड़े बच्चों को ठंड के मौसम में आलस के कारण हाथ धोए बिना ही गोद में उठा लेते हैं। ठंडे हाथ भी उन्हें लगाते हैं। कीटाणु का ध्यान नहीं रखते। इस वजह से उन्हें इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।

किसी भी चीज को मुंह में लेना - अक्सर बच्चे कलम के कैप या नीचे गिरी हुई चीजों को मुंह में लेते हैं जिससे उन्हें पेट में दर्द या दस्त की समस्या हो जाती है।

नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखना - आम मौसम की अपेक्षा ठंड में बच्चे ज्यादा पेशाब करते हैं। अगर नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखा जाए तो बच्चों को न केवल ठंड लग जाती है बल्कि उनके शरीर के आंतरिक हिस्से में सूजन और इंफेक्शन भी हो सकता है।

कमरे के तापमान का ध्यान न रखना - ठंड में बच्चे को अधिक गर्म कमरे में ना रखें। कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए। अधिक गर्म वातावरण से अगर बच्चा सामान्य तापमान में जाता है तो उसे तुरंत सर्दी असर करती है।

कैसे करें बचाव

सफाई का रखें ध्यान - धूल, धुएं और गंदगी से छोटे बच्चों को दूर रखें। इससे उन्हे सांस की समस्या के साथ दस्त भी हो सकती है। घर की सफाई का पूरा ध्यान रखें।

नहलाना कम करे - रोज नहलाने के बजाय हर दूसरे दिन छोटे बच्चों को गर्म पानी में सॉफ्ट एंटीबैक्टीरियल लिक्विड डालकर उसमें नर्म तौलिया भिगोकर उनका शरीर साफ कर दें।

गर्म कपड़े पहनाएं - जैसे ही मौसम बदले, बच्चे को गर्म कपड़े पहनाना शुरू कर दें। हल्की ठंड को नजर अंदाज ना करें और बच्चे को हमेशा मोजे पहना कर रखें।

मालिश के लिए गर्म तेल का प्रयोग करें - यूं तो मालिश बहुत जरूरी नहीं है, लेकिन यदि आप मालिश कर रही हैं तो इसके लिए गर्म तेल का प्रयोग करें।

संभव हो तो थोड़ी देर धूप में रखे - अगर आपके घर में धूप आती हो तो बच्चे को गर्म कपड़े पहना कर थोड़ी देर के लिए धूप में रखें। उसे ताजी हवा और विटामिन डी दोनों मिलेंगे।

ठंडी चीजें खाने को न दें - अगर आपका बच्चा 7 माह से अधिक का है और वह खाना खाता है, तो उसे ठंडी चीजें न खिलाएं और साथ ही उसे बासी खाना या ठंडा खाना भी न दें।

बेहतर क्वालिटी के स्वेटर पहनाएं - स्वेटर हमेशा अच्छी क्वालिटी का पहनाएं, क्योंकि वूलन से कभी-कभी त्वचा में एलर्जी हो जाती है।



बुजुर्ग और बच्चे ठंड के मौसम में सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। बुजुर्ग तो अपनी तकलीफ बता सकते हैं, पर बहुत छोटे बच्चे तो वो भी नहीं कर सकते। अगर आप ठंड की शुरुआत से ही सावधानी बरतें तो आपका बच्चा सर्दियों में भी मुस्कुराता रहेगा। छोटे बच्चों की ठंड में कैसे देखभाल करें, बता रहे हैं शिशु एवं बालरोग विशेषज्ञ

वेडिंग लुक तालमेल है जरूरी

इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।



बहुत बुरी कुक हूं। लेकिन तुम्हारी कुकिंग का जवाब नहीं है। तुम ओवर इमोशनल हो और मैं प्रैक्टिकल। एक लाइन में कहूं तो हम दोनों एक दूसरे को बैलेंस करते हैं। हम परफेक्ट लाइफ पार्टनर हैं क्योंकि हमारा आपसी तालमेल बेजोड है। मैं चाहती हूं कि यही तालमेल हमारे वेडिंग डे पर हमारे लुक में भी नजर आए। यह तर्क सामने रखकर अंशिका ने अपने मंगेतर अंश को कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग डे लुक क्रिएट करने के लिए राजी कर ही लिया। अंशिका और अंश की तरह इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

कलर केमिस्ट्री

जो कपल्स जटिल की जगह सहज अभिव्यक्ति को तरजीह देते हैं, उन्हें रंगों पर आधारित कॉम्प्लिमेंट्री लुक चुनना चाहिए। इस तरह की मैचिंग में कलर व्हील की मदद ली जा सकती है। व्हील में एक-दूसरे के सामने आने वाले रंग एक दूसरे को कॉम्प्लिमेंट करते हैं। जैसे, ऑलिव-मरून, रस्ट-मिडनाइट ब्ल्यू और वायलेट-ऑरेंज आदि। इन रंगों के बीच जबर्दस्त कंट्रास्ट फैक्टर होता है जिसके चलते इनका कॉम्बिनेशन बेहद वाइब्रेंट लगता है। ऐसे में दूल्हा-दुलहन इन कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स के परिधान पहन सकते हैं।

काल आधारित

इन दिनों किसी विशेष काल पर आधारित वेडिंग वेयर पहनने का चलन जोरों पर है। वुडबी कपल्स मुगल काल, विक्टोरियन काल या विंटेज काल पर आधारित परिधान पहन सकते हैं। जैसे विंटेज काल में प्रचलित रंग और एंब्रॉयडरी दुलहन के लहंगे और दूल्हे के कुर्ते में नजर आए। लेकिन इस तरह की मैचिंग करते समय कपल्स को ध्यान रखना चाहिए कि वह किसी काल के दो या तीन फीचर्स को ही अपने परिधानों के माध्यम से अभिव्यक्त करें। बहुत ज्यादा फीचर्स की अभिव्यक्ति उन्हें वेडिंग कपल्स की जगह किसी ऐतिहासिक नाटक का पात्र बना देगी।

वर्क या प्रिंट आधारित

परिधानों पर किए गए वर्क या प्रिंट में तालमेल बैठाना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में कोऑर्डिनेशन का एक बेहतरीन तरीका है। आप विभिन्न तरीकों से एंब्रॉयडरी या प्रिंट के आधार पर यह तालमेल बैठा सकते हैं। जैसे, दुलहन के दुपट्टे और दूल्हे के स्टोल की एंब्रॉयडरी एक जैसी रख सकते हैं। इसी तरह दुलहन के लहंगे के पैनल का प्रिंट दूल्हे की पगडी के प्रिंट में भी नजर आ सकता है। या दूल्हे और दुल्हन के परिधानों के बॉर्डर में एक कॉमन प्रिंट हो सकता है।

एक्सेसरीज आधारित

कॉम्प्लिमेंट्री एक्सेसरीज पहनना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में सामंजस्य बैठाने का एक खास तरीका है। आप चाहें तो कॉम्प्लिमेंट्री एन्गेजमेंट रिंग्स, ब्राइडल वॉच-ग्रूम कफलिंग या ब्राइडल ईयररिंग्स-ग्रूम कफलिंग्स जैसे कॉम्बिनेशन कैरी कर सकती हैं। ब्राइड और ग्रूम की ज्यूलरी में कॉम्प्लिमेंट्री कलर स्टोन का इस्तेमाल भी अच्छा लगेगा।

विशेष टिप्स

- ब्राइड और ग्रूम को अपनी पसंद के हिसाब से कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक तय करना चाहिए।
- आप कॉम्प्लिमेंट्री लुक क्रिएट करने के दो तरीकों को कंबाइन भी कर सकते हैं। जैसे कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स और एंब्रॉयडरी वाले परिधान ट्राई कर सकते हैं। इसी तरह किसी एक काल पर आधारित परिधानों के साथ आप कॉम्प्लिमेंट्री ज्यूलरी भी पहन सकते हैं।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



उल्टे घड़े में पानी भर रही होज्लव गिल से झगड़े के बीच

अरिश्फा खान

पर भड़कीं आम्रपाली दुबे, उधर माही विज ने भी लगाए गंभीर आरोप

रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' का घर इस समय युद्ध का मैदान बना हुआ है. लेटेस्ट एपिसोड में कैप्टंसी टास्क के दौरान न सिर्फ कंटेस्टेंट्स के बीच धक्का-मुक्की हुई, बल्कि बात 'काटने' के आरोपों से मेडिकल रूम जाने तक पहुंच गई. टास्क खत्म होने के बाद भी घर का पारा शांत नहीं हुआ और लव गिल, अरिश्फा व आम्रपाली दुबे के बीच जोरदार जुबानी जंग देखने को मिली. कैप्टंसी टास्क में बिग बॉस ने घरवालों को 'C' आकार के ढांचे को स्पंज से भरने का काम दिया था, जिसमें दूसरे कंटेस्टेंट्स विरोधी के स्लॉट से स्पंज निकाल सकते थे. अपने स्पंज बचाने के चक्कर में लव गिल स्लॉट के अंदर ही गिर गईं और उन्हें पकड़कर बैठ गईं. अरिश्फा, उदिती और माही विज ने स्पंज बाहर



निकालने की पूरी कोशिश की, लेकिन घंटी बजने तक लव एक स्पंज बचाने में सफल रहीं.इसी छीना-झपटी के दौरान माही विज और लव गिल के बीच तीखी बहस शुरू हो गई. माही ने आरोप लगाया कि लव ने उन्हें काट लिया. लव ने इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए उल्टा सवाल किया कि माही ने अपना हाथ उनके मुंह के अंदर क्यों डाला था? इसके बाद माही मेडिकल रूम गईं, जबकि लव अड़ी रहीं कि कोई बाइट मार्क नहीं है. इसी बीच काजी ने दावा किया कि उन्होंने उदिती के हाथ पर भी दांत के निशान देखे हैं. उधर लव ने मनीष को अपने हाथों के निशान दिखाए, जिसपर अरिश्फा ने सवाल उठाया कि उन्होंने पहले यह मुद्दा क्यों नहीं उठाया.

आम्रपाली दुबे ने अरिश्फा को लताड़ा

बिग बॉस में टास्क रद्द होने और उदिती के कैप्टन बनने के बाद काजी ने टास्क खराब करने का ठीकरा लव गिल पर फोड़ा, जिससे लव आगबबूला हो गईं. अरिश्फा ने भी लव पर उनकी कैप्टंसी की उम्मीदें तोड़ने और खेल में दखल देने का आरोप लगाया, जबकि स्काउट ने माना कि घर में जो चल रहा है, उससे वो खुद कन्फ्यूज हैं.लव और अरिश्फा की इस बहस में आम्रपाली दुबे भी कूद पड़ीं और उन्होंने अरिश्फा को जमकर आड़े हाथों लिया. आम्रपाली ने अरिश्फा की कोशिशों की तुलना 'उल्टे घड़े में पानी भरने' से कर डाली. यही नहीं, आम्रपाली ने अरिश्फा पर 'महारानी' की तरह बर्ताव करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बाहर बैठे दर्शक भी उनकी हरकतों को बेवकूफी भरा मान रहे होंगे.

ईशा संग ब्रेकअप की अफवाहों के बीच अविनाश मिश्रा का पोस्ट, लिखा- रिलेशनशिप एंटरटेनमेंट का जरिया नहीं



टीवी एक्ट्रेस और खतरों के खिलाड़ी 18 के विनर अविनाश मिश्रा इस वक्त अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. खबरें हैं कि अविनाश और ईशा सिंह का ब्रेकअप हो गया है. खतरों के खिलाड़ी की सक्सेस पार्टी में अविनाश ने ईशा को आई लव यू कहा था. इसके बाद दोनों के रिश्ते पर एक मुहर लग गई थी. वहीं, पति-पत्नी और पंगा के एक एपिसोड में भी अविनाश और ईशा ने माना था की दोनों दोस्त से ज्यादा हैं. लेकिन अब खबरें हैं कि दोनों अलग हो गए हैं. ईशा ने तो एक्टर को अनफॉलो भी कर दिया है.वहीं, इस बीच ईशा की मां का एक ऑडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें वो धोखे के बारे में जिक्र करती हुई सुनाई दे रही हैं. इन सबके बीच एक्ट्रेस की तरफ से तो कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है. लेकिन अविनाश ने चुप्पी तोड़ी है और इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक इमोशनल नोट शेयर किया है.

अविनाश ने शेयर किया नोट

अविनाश ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक इमोशनल नोट लिखा है. उन्होंने लिखा- दोस्तोंज्चलो ये सब छोड़कर आगे बढ़ते हैं. पिछले कुछ दिन मेरे काफी मुश्किल रहे हैं. मैं मीडिया पेज से रिक्वेस्ट करता हूं कि प्लीज दूसरों की प्राइवेसी को इज्जत दें. रिलेशनशिप पर्सनल चीज होती कोई एंटरटेनमेंट के जरिया नहीं है. हर चीज व्यूज या इंगेजमेंट के लिए नहीं होती. लोगों को शांति से रहने दें.

अविनाश पर लगा ईशा को धोखा देने का आरोप

बता दें कि अविनाश और ईशा के ब्रेकअप की वजह बताई जा रही है कि एक्टर ने ईशा को चीट किया है. वहीं, जिस तरह एक्ट्रेस की मां ने ऑडियों में धोखे का जिक्र किया है. इससे यही माना जा रहा है कि अविनाश ने चीट किया है. हालांकि, अपनी पोस्ट में एक्टर ने ऐसा कुछ नहीं बताया है और न ही खुद को लेकर कोई सफाई दी है. ऐसे में अब देखना होगा कि ईशा कब इस पर अपनी बात रखती हैं.

'धुरंधर' के बाद 'प्रलय' से धमाका करेंगे रणवीर सिंह, फिल्म पर पैसा लगा रहीं अनन्या बिड़ला, दिया धांसू अपडेट



रणवीर सिंह की वापसी का फैन्स को अब इंतजार है, पर फिलहाल उन्हें वक्त लगेगा. इस वक्त एक्टर अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' पर काम कर रहे हैं. जिस फिल्म को अनन्या बिड़ला प्रोड्यूस कर रही हैं. 'धुरंधर' के दोनों पार्ट्स से रणवीर सिंह ने खूब धूम मचाई है, साथ ही बॉक्स ऑफिस पर कई बड़े रिकॉर्ड्स तोड़े हैं. अब वो एक जॉम्बी थ्रिलर पर काम कर रहे हैं. वहीं, जय मेहता ही इस पिक्चर के डायरेक्टर हैं, साथ ही फिलहाल फिल्म की मुंबई में ही शूटिंग चल रही है. इस पिक्चर को लेकर अनन्या बिड़ला ने करण जौहर से बातचीत की है. वो हाल ही में फिल्ममेकर के टॉक शो में पहुंची थीं, जानिए क्या कुछ कहा है?

करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' का सीजन 9 जारी है. बीते दिनों नया एपिसोड आया, जिसमें अनन्या पांडे, अनन्या बिड़ला और शनाया कपूर शो में साथ दिखे. इस दौरान अनन्या बिड़ला ने अपने अंदाज में सबका दिल जीता. रैपिड फायर राउंड में उन्होंने सभी सवालों के सीधे तौर पर जवाब दिए. इस दौरान करण जौहर ने उनसे 'प्रलय' के बारे में पूछा, तो उन्होंने जवाब दिया और बताया कि वो ही फिल्म की प्रोड्यूसर हैं.

अनन्या बिड़ला ने 'प्रलय' पर दिया अपडेट

'कॉफी विद करण' में 'प्रलय' के बारे में पूछे जाने पर अनन्या बिड़ला ने जवाब दिया. वो कहती हैं- यह एक शानदार नजारा होने वाला है. मुझे उम्मीद है कि लोगों को यह पसंद आएगा, लेकिन इसके आगे सब कुछ भगवान और दर्शकों के हाथों में है. फिल्म के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है. दरअसल 'धुरंधर' फ्रैंचाइजी की सफलता के बाद 'प्रलय' रणवीर की अगली रिलीज होगी. एक्टर इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रहे हैं और इसमें उनके अपोजिट कल्याणी प्रियदर्शन बतौर फीमेल लीड काम कर रही हैं. जिन्हें 'लोका' से काफी पहचान मिली थी.

क्या है फिल्म की कहानी ?

'प्रलय' आने वाली 'पोस्ट-एपोकैलिप्टिक' जॉम्बी थ्रिलर फिल्म है. दरअसल यह फिल्म जॉम्बी से भरे मुंबई पर बेस्ड है, जहां एक जानलेवा महामारी के बाद लोग जिंदा रहने के लिए स्ट्रगल कर रहे हैं. ऐसी भी चर्चा है कि कहानी एक शादीशुदा कपल के इर्द-गिर्द घूमती है. जो दुनिया के बर्बाद होने के बीच खुद को जिंदा रखने की कोशिश कर रहे हैं. इससे पहल फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें लीक हुईं. जिसमें रणवीर सिंह एक बिल्कुल नए और अनदेखे अवतार में नजर आए थे.

पढ़ाई के लिए छोड़ी जोया अख्तर की 'द आर्चीज', अब बॉलीवुड डेब्यू कर रहीं रोहित रॉय की बेटी आयरा

निर्देशक शशांक खैतान फिर से बॉलीवुड को नई जोड़ी देने जा रहे हैं. उनकी अगली फिल्म 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं कहीं' से सुब्हान नाडियाडवाला और आयरा बोस रॉय हिंदी सिनेमा में कदम रखने जा रहे हैं. सुब्हान मशहूर फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला के बेटे हैं, जबकि आयरा एक्टर रोहित बोस रॉय की बेटी हैं. पहले आयरा कियारा के नाम से जानी जाती थीं, लेकिन फिल्मों में आने से पहले उन्होंने अपना नाम बदल लिया. आपको ये जानकर भी हैरानी होगी कि आयरा ने तीन साल पहले जोया आख्तर की वेब सीरीज 'द आर्चीज' में काम करने का ऑफर ठुकरा दिया था.आयरा साल 2021 में ही अपनी पढ़ाई के लिए अमेरिका चली गई थीं. उन्होंने अमेरिका के ब्राउन यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है. जिस वक्त वो वहां पढ़ रही थीं, उसी वक्त जोया अख्तर ने उनके पिता रोहित के जरिए उन्हें अपनी सीरीज में रोल ऑफर किया था. रोहित रॉय ने साल 2023 में स्क्रीन से बात करते हुए इसका खुलासा किया था. उन्होंने बताया था, द आर्चीज़ के लिए एक्सेल ने मुझे फोन किया था. मैंने उनसे कहा कि वो ब्राउन यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही है, लेकिन मैं उससे पूछ लेता हूं. मैंने उसे बताया था, लेकिन वो इस बारे में विचार नहीं कर पाई, क्योंकि वो जिस जगह है, वहां मुकाबला बहुत कड़ा है. मैंने उससे कहा कि जब तुम अपनी पढ़ाई पूरी कर लोगी और अगर इस बारे में सोचोगी, तो हम तुम्हें पूरी तरह से सपोर्ट करेंगे.



बेटी की फिल्म को प्रोड्यूस करना चाहते थे रोहित

बेटी को फिल्म में लॉन्च करने और उसकी फिल्म प्रोड्यूस करने को लेकर उस वक्त रोहित रॉय ने कहा था, मुझे लगता है कि अपने ही बच्चों की फिल्म को डायरेक्ट करना फिल्ममेकर्स की सबसे बड़ी गलतियों में से एक होती है. ये बहुत घटिया चीज है. शायद मैं उसके लिए प्रोड्यूस करूं (फिल्म), लेकिन उसे डायरेक्ट नहीं करूंगा. ये बात भी अहम है कि मेरे से ज्यादा वो चाहेगी कि उसे करण जौहर डायरेक्ट करें. पर मैं उसकी पहली फिल्म को डायरेक्ट नहीं करूंगा, क्योंकि मैं लिफाफा आगे नहीं बढ़ा सकता.

बेटी की जमकर की तारीफ

दो साल पहले एक यूट्यूब चैनल से बात करते हुए रोहित ने अपनी बेटी की जमकर तारीफ की थी. उन्होंने कहा था कि वो बेहद सुलझी हुई इंसान है. अपनी जिंदगी जीती है और मेहनत से पढ़ाई करती है. वो ब्राउन (यूनिवर्सिटी) गई और उसकी जीपीए 4 में से 3.9 है. जब साल 2025 में आयरा ग्रैजुएट हुई थीं तो रोहित और मानसी जोशी (आयरा की मां) उनकी खुशी में शामिल हुई थीं. उन्होंने बताया था कि अर्थशास्त्र और कला इतिहास में डबल मेजर के साथ आयरा अब ढ्ढ14 लीग ग्रैजुएट हो गई है.

सब कुछ तय, बस ऐलान बाकी!

IPL 2027 में रोहित शर्मा फिर संभालेंगे MI की कमान? देख लीजिए ये पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 से पहले मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं. हार्दिक पंड्या ट्रेड के जरिए टीम से बाहर हो चुके हैं और अब रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाएं तेज हो गई हैं. इस बीच फ्रेंचाइजी के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने इन अटकलों को और हवा दे दी है. मुंबई इंडियंस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है. इसमें रोहित शर्मा की तस्वीर बैकग्राउंड में नजर आ रही है और उनके पीछे 'मुंबईचा राजा' लिखा है. इसका मतलब है मुंबई का राजा. फ्रेंचाइजी ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'सीजन 17 मुंबईचा राजा के लिए ब्लू एंड गोल्ड में! पलटन, TATAIPL 2027 के लिए तैयार?' इस पोस्ट के सामने आते ही फैन्स ने रोहित को दोबारा कप्तान बनाने की मांग शुरू कर दी. कई फैन्स ने कमेंट में 'कैप्टन रोहित शर्मा' और 'कैप्टन रोहित शर्मा के दौर में एक बार फिर तैयार' लिखा. हालांकि, मुंबई इंडियंस ने अभी आधिकारिक तौर पर कप्तान के नाम का ऐलान नहीं किया है.

रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं. उनकी कप्तानी में टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में कुल पांच आईपीएल खिताब जीते थे. उन्होंने 2013 से 2023 तक टीम की कप्तानी की. इसके बाद 2024 से 2026 के बीच हार्दिक पंड्या ने यह जिम्मेदारी संभाली. अब हार्दिक के टीम



से बाहर होने के बाद रोहित की कप्तानी में वापसी की संभावना जताई जा रही है.

MI ने 16 खिलाड़ियों को किया रिटेन – मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2027 के लिए रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, तिलक वर्मा, नमन धीर, रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, क्विंटन डिकॉक, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, शार्दुल ठाकुर, राज बावा, मिचेल सैंटनर, अश्वनी कुमार और रघु शर्मा को रिटेन किया है. वहीं, अर्शदीप सिंह ट्रेड के जरिए टीम से जुड़े हैं. फ्रेंचाइजी ने ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, एएम गजनफर, अथर्व अंकोलेकर, केशव महाराज, मोहम्मद इजहार, दानिश मालवेर, मयंक मार्कंडे, मयंक रावत, महीपाल लोमरोर, रॉबिन मिंज, रुचित अहिर और कृष्ण भगत को रिलीज किया है. हार्दिक पंड्या भी ट्रेड के जरिए टीम से बाहर हुए हैं. मुंबई इंडियंस के पास अब 32.6 करोड़ रुपये का पर्स बचा है. टीम के पास कुल 9 स्लॉट खाली हैं, जिनमें 2 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं.

पोलार्ड बने हेड कोच, उथप्पा को भी बड़ी जिम्मेदारी – मुंबई इंडियंस ने अपने कोचिंग सेटअप में भी बदलाव किया है. वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड अब टीम के हेड कोच होंगे. भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा को बैटिंग कोच और न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन को बॉलिंग कोच बनाया गया है. इसके अलावा भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच टी दिलीप को फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी मिली है. मुंबई के अनुभवी तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी डेवलपमेंट बॉलिंग कोच के तौर पर नए कोचिंग सेटअप का हिस्सा होंगे.

सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने पर शास्त्री-गावस्कर और रहाणे ने जताई नाराजगी, बोले-यह चौंकाने वाला फैसला

वेलिंग्टन, एजेंसी। भारत के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा कि मोहम्मद सिराज के अनुभव और आक्रामकता के कारण उन्हें बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के लिए भारत की अंतिम एकादश में जगह मिलनी चाहिए थी, और उन्होंने सवाल किया कि तेज गेंदबाज को ऐसी पिच पर क्यों बाहर रखा गया जहां सीम मूवमेंट को बढ़ावा मिलता था। रवि शास्त्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'उम्मीद है कि भारत मजबूती से वापसी करेगा। मगर अगर गति, कौशल और सीम मूवमेंट मानदंड थे और 140 क्लिक हासिल करना मुश्किल था, तो किसी को सवाल पूछना होगा। मोहम्मद सिराज कहां थे? अनुभव, आक्रामकता और गेंद के साथ कुछ करने की क्षमता। निश्चित रूप से यह कुछ मायने रखता है।' आंकड़े शास्त्री की बात का समर्थन करते हैं। सिराज वर्तमान विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में 26.81 की औसत से 43 विकेट के साथ भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अंतिम एकादश से बाहर किए गए रवींद्र जड़ेजा भी 33 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वह भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक रहे हैं, उन्होंने 60.76 की औसत से 790 रन बनाकर रन बनाने वालों की सूची में तीसरा स्थान साझा किया है, जिसमें दो शतक और छह अर्द्धशतक शामिल हैं। शास्त्री अकेले



नहीं थे जिनका मानना ??था कि भारत ने सिराज द्वारा गेंदबाजी आक्रमण में लाए गए योगदान को नजरअंदाज कर दिया है। जैसे ही बेसिन रिजर्व में पहला दिन बीत गया, अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने भी चयन पर सवाल उठाया। भारत के पास न्यूजीलैंड का स्कोर 70/5 था, लेकिन हेनरी निकोल्स (नाबाद 113) और ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 94) ने 173 रनों की अटूट साझेदारी की, जिससे स्टंप्स तक मेजबान टीम का स्कोर 243/5 हो गया। यह उस तरह का स्पैल था जिसमें सफलता दिलाने में सक्षम गेंदबाज की सबसे ज्यादा जरूरत थी। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के प्रसारण पर महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी सिराज के वेलिंगटन में नहीं खेलने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि संकेत तब थे जब उन्हें 50 ओवरों की टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने केवल आखिरी गेम खेला था। दरअसल, जब उन्होंने आखिरी गेम खेला था, तो मैंने सोचा था कि वे उन्हें यहां मैच के लिए तैयार कर रहे थे। मगर अंतिम एकादश में उनका नाम न देखना एक आश्चर्य है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि उन्होंने भारत को निराश किया है, उन्होंने कभी भी भारत को निराश नहीं किया है। उनकी गेंदबाजी में कुछ भी गलत नहीं हुआ है। उनकी लय अच्छी है। हमने उन्हें बीच-बीच में देखा है कि उन्होंने जो भी क्रिकेट खेला है, वह ठीक रहा है। उन्हें क्यों नहीं चुना गया यह कुछ ऐसा है जो मुझे नहीं पता। '

वेलिंगटन टेस्टः

निकोलस का शतक, फिलिप्स सैकड़े के करीब, पहले दिन न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन बनाए

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेले जा रहे टेस्ट मैच का पहला दिन समाप्त हो गया। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय न्यूजीलैंड ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 243 रन बना लिए हैं। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पारी की शुरुआत करने उतरे कप्तान टॉम लैथम और डेवन कोनवे जल्दी आउट हो गए। लैथम 0 और कोनवे 4 के स्कोर पर आउट हुए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए हेनरी निकोलस ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन रचिन रवींद्र (15), डेरिल मिशेल (1) और विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल (5) के विकेट गिरने से टीम की मुश्किलें बढ़ गईं। 70 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा चुकी मेजबान टीम को निकोलस और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए ग्लेन फिलिप्स ने संभाल लिया है।



प्रीमियर लीगः

मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए पोचेटिनो करेंगे डेब्यू, ऐतिहासिक उपलब्धि पर होगी आर्सेनल की नजर



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रीमियर लीग के 11वें मैचवीक में कई बड़े मुकाबले देखने को मिलेंगे। एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ होने वाले हाई-प्रोफाइल मुकाबले में मॉरिसियो पोचेटिनो पहली बार मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर के तौर पर उतरेंगे। वहीं, न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ मैच में आर्सेनल एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने की कोशिश करेगा। अपने पहले 11 लीग मैचों में 10वीं जीत की तलाश कर रही आर्सेनल, प्रीमियर लीग के इतिहास में ऐसा करने वाली केवल पांचवीं टीम बन सकती है। इससे पहले केवल चेल्सी (2005-06), मैनचेस्टर सिटी (2011-12 और 2017-18) और लिवरपूल (2019-20) ही ऐसा कर पाई हैं। दूसरी ओर, मैनचेस्टर यूनाइटेड प्रीमियर लीग में लगातार 8 मैचों से जीत नहीं पाई है, जिसमें 5 ड्रॉ और 3 हार शामिल हैं। इस सीजन में यह किसी भी टीम का सबसे लंबा बिना जीत वाला सिलसिला है। इससे पहले, क्लब को नवंबर 1989 से फरवरी 1990 के बीच ऐसे ही दौर से गुजरना पड़ा था, जब वह लगातार 11 मैचों तक कोई जीत हासिल नहीं कर पाया था।

पोचेटिनो मैनचेस्टर यूनाइटेड के ऐसे पहले मैनेजर बन जाएंगे, जो क्लब के साथ प्रीमियर लीग में अपना डेब्यू लिवरपूल के खिलाफ करेंगे। लिवरपूल को कोडी गैकपो से भी काफी उम्मीदें होंगी। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने यूनाइटेड के खिलाफ प्रीमियर लीग में 5 गोल किए हैं, जो किसी भी अन्य प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ किए गए उनके गोलों से अधिक हैं। मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ अपने पिछले 3 मैचों में से हर बार उन्होंने गोल किया है।

वहीं, मैनचेस्टर सिटी अपने घरेलू मैदान पर फुलहम का सामना करेगी और लंदन के इस क्लब के खिलाफ अपनी शानदार जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगी। सिटी ने सभी प्रतियोगिताओं में फुलहम के खिलाफ अपने पिछले 20 मुकाबले जीते हैं, जिसमें लगातार 17 लीग मैच भी शामिल हैं। इंग्लिश फुटबॉल में एक टीम द्वारा दूसरी टीम के खिलाफ दर्ज की गई यह सबसे लंबी जीत की लय है। हालांकि, एंजो मारेस्का की टीम (चेल्सी) को इस सीजन में अपने पिछले तीन प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि फुलहम अपने पिछले 4 मैचों में अजेय रही है, जिसमें उन्होंने 2 जीत हासिल की हैं और 2 मैच ड्रॉ खेले हैं। एस्टन विला में उनाई एमरी प्रीमियर लीग में 150 मैचों में टीम को मैनेज करने का मुकाम हासिल करेंगे। मार्टिन ओ'नील के बाद, ऐसा करने वाले वह विला के दूसरे मैनेजर बन जाएंगे। एमरी ने अपने पहले 149 लीग मैचों में 76 जीत, 33 ड्रॉ और 40 हार दर्ज की हैं। इस सीजन में विला के फॉरवर्ड निकोलस जैक्सन भी सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने 6 गोल किए हैं और उनसे आगे केवल एर्लिंग हालैंड (9 गोल) और अलेक्जेंडर इसाक (7 गोल) हैं। बोर्नमाउथ का सामना नॉटिंघम फॉरेस्ट से होगा, तो उनकी कोशिश पहली बार लगातार 5 टॉप-फ्लाइट मैच जीतने की होगी।

रबाडा-हार्मर का चला जादू, साउथ अफ्रीका ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 9 विकेट से रौंदा

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पहले टेस्ट में 9 विकेट से रौंदा। द वांडरर्स क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश से मिले महज 12 रनों के लक्ष्य को साउथ अफ्रीका ने एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। टेस्ट के पांचवें और आखिरी दिन अपने 100/5 के स्कोर से आगे खेलते हुए बांग्लादेश की पूरी टीम दूसरी पारी में 168 रन बनाकर सिमटी। टीम की ओर से लिटन दास ने 38 गेंदों में सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि महफिजुल इस्लाम ने 32 रनों का योगदान दिया। हालांकि, इन दोनों को छोड़कर बांग्लादेश के बाकी बल्लेबाजों ने साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों के आगे आसानी से घुटने टेक दिए। तौहीद हिरदॉय ने 23 रन बनाए जबकि मुशफिकुर रहीम ने 22 रनों का योगदान दिया। मेहदी हसन मिराज ने 15 रन बनाए। दूसरी पारी में बांग्लादेश के पांच बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से साइमन हार्मर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12.3 ओवर में 51 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले कगिसो रबाडा ने दूसरी इनिंग में भी 3 विकेट झटके। मार्को जानसेन ने एक विकेट अपने नाम किया।



रबाडा ने दोनों पारियों को मिलाकर कुल 8 विकेट झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इससे पहले, बांग्लादेश ने पहली पारी में तौहीद हिरदॉय द्वारा खेली गई 137 और लिटन दास की 120 रनों की शानदार पारियों की बदौलत 400 रन बनाए, जो टीम का टेस्ट क्रिकेट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। तंजीद हसन तमीम ने 67 रनों का योगदान दिया। रबाडा ने पहली पारी में 5, जबकि डेन पैटरसन ने 4 विकेट निकाले। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 557 रन बनाए। टीम की ओर से मार्क्वेस एकरमैन ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 157 रनों की लाजवाब पारी खेली।

वहीं, रयान रिकेल्टन ने 102 रन बनाए। जुबैर हमजा ने 83 और कप्तान टेंबा बावुमा ने 68 रनों का योगदान दिया। पहली पारी में गेंद से 5 विकेट लेने वाले रबाडा ने बल्ले से भी अहम योगदान दिया और 72 रनों की बेहतरीन पारी खेली। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी के आधार पर 157 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की। इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

हॉन्गकॉन्ग ओपनः

रक्षिता रामराज ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन को हराया, लक्ष्य सेन अगले दौर में; जानें अन्य नतीजे

हॉन्गकॉन्ग, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ियों ने हॉन्गकॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। महिला एकल वर्ग में रक्षिता रामराज ने टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन यू फेई को हराया। वहीं, पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन अगले दौर में पहुंच गए। भारत की रक्षिता रामराज ने गुरुवार को हॉन्गकॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उलटफेर करते हुए टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यू फेई को सीधे गेम में हरा दिया। कोयंबटूर की 19 वर्षीय रक्षिता ने यूफेई को 21-18, 24-22 से हराकर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की यादगार जीत में से एक दर्ज की। रक्षिता का अगला मुकाबला थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा।



रक्षिता ने करियर की सबसे बड़ी जीत बताया – रक्षिता ने शुरुआती दौर में डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट को भी हराकर उलटफेर किया था। मैच के बाद रक्षिता ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे करियर की अब तक की सबसे बड़ी जीत में से एक है। वह मेरी सबसे बड़ी आदर्श हैं और मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा कि मैंने उन्हें हरा दिया। यह मेरे बैडमिंटन करियर के सबसे यादगार दिनों में से एक रहेगा।

चेसः

टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप में अर्जुन एरिगैसी और प्रज्ञानंद ने अपने मुकाबले जीते, जानें किसे हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिन में पहले, भारतीय खिलाड़ी अपने चार ब्लिट्ज गेम में से दो और एक फास्ट क्लासिक मुकाबला हार गए थे। उन्हें दो रैपिड गेम में से एक में जीत मिली, जबकि दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी अब नौवें स्थान के लिए मैच में हाइक एम. मार्टिरोसियन से भिड़ेंगे। अर्जुन एरिगैसी ने जॉर्डन वैन फॉरेस्ट को आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हराकर टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूर पायलट में अपना मैच जीता। वहीं, आर. प्रज्ञानंद ने नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। प्रज्ञानंद की जीत के साथ ही उनकी बहन



आर. वैशाली के साथ होने वाला संभावित मुकाबला टल गया। एरिगैसी ने पहले दिन का मुकाबला 11.5-8.5 से जीता था। फॉरेस्ट ने बुधवार को वापसी करते हुए दूसरे दिन 12-8 से जीत हासिल की। इससे नौवें से 12वें स्थान के लिए आर्मागेडन में एक निर्णायक मुकाबला हुआ। काले मोहरों से खेलते हुए, वैन फॉरेस्ट ने टाई-ब्रेक में ज्यादातर समय जीत की स्थिति बनाए रखी। लेकिन उन्होंने 34वें मूव पर अपना फायदा गंवा दिया। इसका फायदा एरिगैसी को मिला और भारतीय खिलाड़ी ने जीत हासिल कर ली। दिन में पहले, भारतीय खिलाड़ी अपने चार ब्लिट्ज गेम में से दो और एक फास्ट क्लासिक मुकाबला हार गए थे। उन्हें दो रैपिड गेम में से एक में जीत मिली, जबकि दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी अब नौवें स्थान के लिए मैच में हाइक एम. मार्टिरोसियन से भिड़ेंगे। आर. प्रज्ञानंद ने उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव को हराकर 21वें स्थान के लिए मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। फास्ट क्लासिक गेम से पहले वह 3.5-8.5 से पीछे चल रहे थे, लेकिन काले मोहरों से खेलते हुए जीत के साथ वापसी की और दिन का स्कोर 11.5-8.5 कर दिया। अब उनका सामना अभिमन्यु मिश्रा से होगा। अगर प्रज्ञानंद यह मुकाबला हार जाते, तो उन्हें 23वें और 24वें स्थान के लिए वैशाली के खिलाफ खेलना पड़ता।

2027 में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होंगे ऐश बार्टी और शिंगो कुनिदा

नई दिल्ली, एजेंसी । चार बार की मेजर चैंपियन और पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 ऐश बार्टी को खिलाड़ी श्रेणी में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए चुना गया है। जापान के शिंगो कुनिदा, जो चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता और 50 बार के मेजर चैंपियन हैं, उन्हें 'व्हीलचेयर टेनिस कैटेगरी' में चुना गया है। इस श्रेणी में उन खिलाड़ियों को जगह दी जाती है, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन और उपलब्धियों का रिकॉर्ड रहा हो। बार्टी तीन बार की मेजर सिंगल्स चैंपियन हैं। उन्होंने रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन) 2019, विंबलडन 2021 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 के खिताब जीते हैं। इसके अलावा, उन्होंने 2018 यूएस ओपन में अपना पहला मेजर डबल्स खिताब भी जीता था। सिंगल्स में वह 2019 में वर्ल्ड नंबर 1 बनीं। वह कुल 121 हफ्तों तक टॉप पर रहीं, जिसमें लगातार 114 हफ्ते शामिल रहे। इसके साथ ही 2019 से 2021 तक लगातार तीन साल तक वह 'ईयर-एंड नंबर 1' (साल के अंत में नंबर 1) रहीं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 जीतने के बाद, जब वह वर्ल्ड नंबर 1 रैंकिंग पर थीं, तब उन्होंने संन्यास का ऐलान कर दिया था। वह इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली 35वीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनेंगी और 2013 के बाद यह सम्मान पाने वाली



पहली ऑस्ट्रेलियाई महिला होंगी। बार्टी ने कहा, 'मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे ऑस्ट्रेलिया के उन महान खिलाड़ियों को देखने का मौका मिला, जिन्होंने इस खेल को नई दिशा दी और बहुत गर्व के साथ हमारे देश का प्रतिनिधित्व किया। उनके साथ मेरा नाम लिया जाना एक अद्भुत अहसास है। मेरा करियर एक 'टीम एफर्ट' (सामूहिक प्रयास) था, इसलिए यह सम्मान मेरे परिवार, मेरे कोचों और उन सभी लोगों का भी है, जिन्होंने इस सफर में मेरी मदद की। ' वहीं, शिंगो कुनिदा इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले जापान के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वह इतिहास के सबसे सफल पुरुष व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी हैं, जिनके नाम रिकॉर्ड 28 मेजर सिंगल्स खिताब और कुल 50 मेजर खिताब दर्ज हैं। चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता शिंगो 'करियर गोल्डन स्लैम' पूरा करने वाले पहले पुरुष व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी बने और उन्होंने रिकॉर्ड 582 हफ्तों तक विश्व नंबर 1 सिंगल्स रैंकिंग अपने नाम रखी। 2010 में हॉल ऑफ फेम द्वारा इस श्रेणी को शामिल किए जाने के बाद से कुनिदा इसमें जगह पाने वाले आठवें व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं। बार्टी और कुनिदा को यह खबर हॉल ऑफ फेम के सह-अध्यक्ष किम क्लाइस्टर्स और पैट्रिक मैकेनरो द्वारा किए गए सरप्राइज वीडियो कॉल के जरिए मिली।

खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में उनकी जगह को सम्मान देते हुए इस वीडियो कॉल में हॉल ऑफ फेम के लगभग 20 अन्य सदस्य भी शामिल हुए। ट्रेसी ऑस्टिन, जिम कूरियर, रोजर फेडरर, मार्टिना नवरातिलोवा, पैट राफ्टर, पैम श्राइवर, एस्टर वर्गीर और अन्य हॉल ऑफ फेम सदस्यों ने उन्हें बधाई संदेश दिए और आधिकारिक तौर पर इस खास क्लब में उनका स्वागत किया।

भाखड़ा नहर पर पुल ढहा, दो ट्रक फंसे, भीषण आग

पटियाला , एजेंसी। पंजाब के पटियाला में गुरुवार सुबह भाखड़ा नहर पर बना एक पुल ढह गया। हादसे में दो ट्रक पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से में फंस गए, जिसमें से एक में भीषण आग लग गई। हालांकि, गनीमत रही कि दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह घटना सुबह करीब छह बजे पटियाला-संगरूर बायपास (एनएच-07) पर हुई। करीब 60 मीटर लंबा स्टील ट्रस पुल अचानक ढह गया, जिससे बालू से भरा एक ट्रक और दूसरा ट्रक बीच में ही अटक गए। एक ट्रक चालक सुखविंदर सिंह ने बताया कि दूसरे ट्रक के फंसते ही उन्होंने अपना वाहन रोकने का प्रयास किया, जिससे उनके पैर में मामूली चोट आई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमों ने आग पर काबू पाया और पुलिस ने स्थिति संभाली। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्रभावित मार्ग पर यातायात को तत्काल मोड़ दिया गया। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने बताया कि वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए बाईं ओर के यातायात को सर्विस रोड पर मोड़ा गया है। घटनास्थल पर चौबीसों घंटे सुरक्षा कर्मी, संकेतक और रोशनी की व्यवस्था की जा रही है। पुल ढहने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चला है, लेकिन स्थानीय निवासियों के अनुसार, पुल पहले भी हिलता था और इसकी शिकायत अधिकारियों से की गई थी। स्थानीय निवासी पवन कुमार ने पुल को करीब एक दशक पुराना बताया। एनएचएआई के अनुसार, चार लेन वाले पटियाला बायपास खंड को 2018 में उसे सौंपा गया था और अब यह मार्ग उसके अल्पकालिक रखरखाव अनुबंध के तहत है। दुर्घटनाग्रस्त पुल का निर्माण सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने पंजाब लोक निर्माण विभाग की निगरानी में किया था। भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी) के जिला अध्यक्ष अवतार सिंह भी घटना की सूचना मिलते ही मदद के लिए घटनास्थल पर पहुंचे।

गोधरा कांड के सात दोषियों की पैरोल तीन सप्ताह बढ़ी

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट ने 2002 के गोधरा ट्रेन जलाने के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे सात दोषियों की पैरोल तीन सप्ताह बढ़ाने का आदेश दिया है। इन दोषियों को इसी वर्ष जून-जुलाई में चार महीने की पैरोल दी गई थी। अवधि बढ़ाने के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि दोषियों ने अपनी सजा में छूट यानी रिमिशन के लिए राज्य सरकार के समक्ष आवेदन किया है, लेकिन उन पर अब तक फैसला नहीं हुआ है। राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि रिमिशन की अर्जियां अभी विचाराधीन हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि सजा माफी की अर्जियों पर निर्णय में देरी होना दोषियों की गलती नहीं है। इसी आधार पर अदालत ने सातों दोषियों की पैरोल अवधि तीन सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया। मामले में आगे की कार्रवाई राज्य सरकार के स्तर पर लंबित रिमिशन अर्जियों के निर्णय पर निर्भर करेगी।

कोर्ट ने घर की कुर्की का दिया आदेश, नगीना सांसद को झटका

गाजियाबाद, एजेंसी। नगीना सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद को एक बड़ा झटका लगा है। विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने 17 नवंबर को सुनवाई में पेश नहीं होने पर सख्त रुख अपनाते हुए उनके घर की कुर्की का आदेश जारी कर दिया है। यह मामला साल 2018 में गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना क्षेत्र स्थित वृंदावन गार्डन में एक शादी समारोह के दौरान हुई मारपीट और गाली-गलौज से जुड़ा है, जिसकी शिकायत धर्मेंद्र कुमार ने की थी। इससे पहले, इसी अदालत ने सांसद के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी किया था। 17 नवंबर को उन्हें अदालत में मौजूद रहने को कहा गया था, ताकि उनके खिलाफ आरोप तय किए जा सकें। हालांकि, वह एक बार फिर गैरहाजिर रहे। बताया गया कि चंद्रशेखर आजाद मुंबई में संसदीय कार्यसमिति की पूर्व निर्धारित बैठक में शामिल होने के कारण अदालत नही पहुंच सके। उनके अधिवक्ता ने हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र भी दिया था। लेकिन, अदालत ने इस प्रार्थना पत्र को अस्वीकार करते हुए कुर्की की कार्रवाई का आदेश दिया। मामले में अगली सुनवाई 8 दिसंबर को होगी। फिलहाल, अपने खिलाफ आए इस आदेश पर चंद्रशेखर आजाद की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

योगी का सपा पर वार: गुंडे-माफिया कभी सीधे नहीं हो सकते



लखनऊ , एजेंसी। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर रोड शो के दौरान हुई 14 वर्षीय मासूम आर्यवर्धन सिंह की मौत को लेकर कड़ा प्रहार किया। मुख्यमंत्री ने सपा को माफिया पोषक करार देकर कहा कि गुंडे-माफिया कभी सीधे नहीं हो सकते और उन्हें केवल डंडे से ही सीधा किया जा सकता है, जो काम उनकी सरकार कर रही है। सीएम योगी ने अपनी बात को बल देकर एक तीखी तुलना की। उन्होंने कहा, जैसे कुत्ते की पूंछ कभी सीधी नहीं हो सकती, उसी तरह सपा के गुंडे-माफिया कभी सीधे नहीं हो सकते। इन्हें डंडे से ही सीधा किया जा सकता है। उन्होंने सपा के रोड शो में व्याप्त अराजकता पर सवाल उठाकर कहा कि उनकी सरकार ने बेहतर सड़कें माफिया पोषक पार्टी के गुंडों को अराजकता फैलाने के लिए नहीं बनवाई हैं, बल्कि विकास और सुशासन के लिए बनाई हैं।
मुख्यमंत्री ने इस बात पर हरी नाराजगी जाहिर की कि दुर्घटना के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना के दो शब्द भी नहीं कहे। उन्होंने भावुक होकर पूछा, आखिर उस होनहार मासूम आर्यवर्धन की गलती क्या थी? योगी ने घोषणा की कि वह स्वयं पीड़ित परिवार के घर जाएंगे और उन्हें हर हाल में न्याय दिलाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में किसी भी कीमत पर अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और माफियापोषक पार्टी के गुंडों को उनकी सही जगह दिखाई जाएगी।
अपने निर्धारित कार्यक्रमों के तहत, मुख्यमंत्री योगी ने इससे पहले वानिकी विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया, जहां वनमंत्री अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का नाम ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के नाम पर रखने की घोषणा की। इस कार्यक्रम के उपरांत, योगी आदित्यनाथ टाउनहॉल में जनचौपाल लगाएंगे और इसके बाद वे आर्यवर्धन के घर जाकर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाएंगे।

झारखंड में इबोला को लेकर अलर्ट, अस्पतालों को 24 घंटे स्क्रीनिंग के निर्देश

रांची, एजेंसी। झारखंड में इबोला वायरस के संभावित खतरे को देखकर राज्य की हेमंत सोरोन सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। हालांकि, अब तक राज्य में इबोला संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन एहतियात के तौर पर स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की और रिम्स, मेडिकल कॉलेजों, सदर अस्पतालों सहित सभी स्वास्थ्य संस्थानों को केंद्र सरकार की गाइडलाइन का पालन करने का निर्देश दिया। मंत्री अंसारी ने अस्पतालों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा है। संदिग्ध मरीज मिलने पर तत्काल रिपोर्टिंग, जांच, आइसोलेशन और उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, पीपीई किट और जरूरी चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता के साथ स्वास्थ्यकर्मियों को संक्रमण से बचाव का प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया गया है। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और भीड़भाड़ वाले इलाकों में निगरानी बढ़ाने तथा राज्य के सभी 24 जिलों में 24 घंटे स्क्रीनिंग और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने को कहा गया है। इससे पहले 12 नवंबर को रांची स्थित रिम्स में इबोला से निपटने की तैयारियों को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित की गई थी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इबोला के लक्षण संक्रमण के 2 से 21 दिनों के भीतर दिखाई दे सकते हैं। इनमें तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, कमजोरी, उल्टी और दस्त शामिल हैं। गंभीर स्थिति में रक्तस्राव भी हो सकता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के खून और शरीर के तरल पदार्थों के सीधे संपर्क से फैलता है, हवा से नहीं। मंत्री ने लोगों से घबराने और अफवाहों पर ध्यान देने के बजाय सतर्क रहने तथा लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने की अपील की।

आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, अंतरिम जमानत बरकरार

● आजम ने कहा- देश आजाद है, लेकिन संविधान कैद

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत रद्द करने से इंकार किया है। शीर्ष अदालत ने केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका खारिज की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट ने आजम खान को अंतरिम जमानत दी है और वह इसमें दखल नहीं देगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आगे की सुनवाई इस आदेश में की गई टिप्पणियों से प्रभावित हुए बिना की जाए। आजम को



मंगलवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जमानत दी थी, इसके खिलाफ ईडी बुधवार को ही सुप्रीम कोर्ट पहुंची और तत्काल सुनवाई की मांग की। ईडी ने गिरफ्तारी के आधार की जानकारी ने देने के आजम के दावे को गलत बताया। हालांकि, ईडी के जल्द सुनवाई के अनुरोध पर जस्टिस जोयमाल्या बागची ने टिप्पणी की थी कि अगर वह अंतरिम जमानत पर बाहर रहते हैं, तब कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई करने का फैसला किया था। इसके पहले आजम गाजियाबाद की डासना जिला जेल से रिहा हुए। उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 31 अक्टूबर को रामपुर जेल के बाहर से गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी दो पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा पर रोक लगने के बाद उनकी रिहाई के दौरान हुई। रामपुर पहुंचने पर आजम ने अपनी रिहाई पर खुशी जताकर कहा कि उनका यह यकीन मजबूत हुआ है कि देश आजाद है, लेकिन संविधान कैद है। हम सभी को मिलकर संविधान की आजादी की मांग करनी चाहिए। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि अगर मुर्गी, बकरी और भैंस चोरी करने वाला व्यक्ति ईडी का आरोपी हो सकता है और विश्वविद्यालय बना सकता है, तब उनकी अल्लाह से दुआ है कि हर गली में एक मुर्गी चोर पैदा हो ताकि वह विश्वविद्यालय बना सके।

मोदी भी जेल में होते... लेकिन कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उनके खिलाफ जांच बंद करवा दी

पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोइली का सनसनीखेज दावा

नई दिल्ली , एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ यूपीए सरकार के दौरान हुई एक जांच को लेकर सनसनीखेज दावा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि पार्टी के भीतर के ही कुछ नेताओं ने उस जांच को रुकवा दिया था, इसकी कीमत कांग्रेस आज चुका रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली ने 17 नवंबर को बेंगलुरु में यह बात कहकर राजनीतिक गलियारों में एक नया विवाद खड़ा किया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली ने बताया कि जब वे कानून मंत्री थे (मई 2009-मई 2011), तब वर्तमान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को गुजरात से बाहर किया गया था और वे जेल जाने वाले पहले व्यक्ति थे। मोइली के अनुसार, इसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की बारी आती और उन्हें भी राज्य से बाहर कर दिया जाता। लेकिन यह पार्टी के भीतर की कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं थीं, इसकारण पीएम मोदी के खिलाफ चल रही जांच को हमारी अपनी ही सरकार



ने रुकवा दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली ने स्पष्ट किया कि यह फैसला तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की वजह से नहीं हुआ था, बल्कि कुछ अन्य नेताओं के कारण हुआ था। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली के दावे का संदर्भ शाह से जुड़े सोहराबुद्दीन शेख एनकाउंटर मामले से है। सीबीआई ने 2010 में अमित शाह को मामले में गिरफ्तार किया था, तब वे गुजरात के गृह राज्यमंत्री थे। सोहराबुद्दीन शेख एक गैंगस्टर था जिसकी 26 नवंबर 2005 को गुजरात के अहमदाबाद में एक एनकाउंटर में मौत हुई थी। हालांकि, मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत ने 30 दिसंबर 2014 को शाह को मामले में आरोप-मुक्त कर दिया था।
मोइली ने फिलहाल इस मामले की विस्तृत जानकारी देने या उन कांग्रेस नेताओं के नाम उजागर करने से इंकार किया है, जिन पर उन्होंने ये गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके इस बयान ने कांग्रेस के भीतर और राजनीतिक गलियारों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मोइली के दावे पर आरजेडी नेता मनोज झा ने प्रतिक्रिया देकर कहा है कि मोइली जैसे शक्तिशाली मंत्री रहे लोगों के पास इतिहास के बहुत सारे साक्ष्य हो सकते है। उन्होंने गुजरात में एसआईटी के गठन और क्लीन चिट जैसे घटनाक्रमों का जिक्र कर कहा कि इतिहास निरंतर मूल्यांकन करता है और अपने को रिवाइज भी करता है। मोइली का यह बयान तब आया है जब कांग्रेस आगामी चुनावों की तैयारियों में जुटी है, और इस बयान ने कांग्रेस पार्टी के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं।

संघ प्रमुख भागवत का दौरा मणिपुर में शांति बहाल करने में ठोस योगदान दे पाएगा

अब फिर आश्वासन देने की जरूरत नहीं, कांग्रेस विधायक दल के नेता ने उठाए सवाल

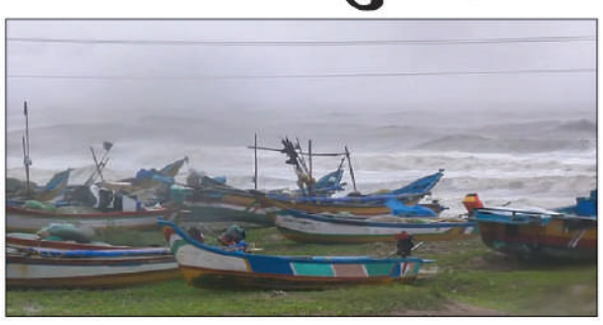
इम्फाल , एजेंसी। मणिपुर में कांग्रेस विधायक दल के नेता केशम मेघचंद्र सिंह ने सवाल उठाया है कि क्या संघ प्रमुख मोहन भागवत का मौजूदा दौरा इस हिंसाग्रस्त राज्य में शांति बहाल करने की दिशा में कोई ठोस योगदान दे पाएगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर को अब एक बार फिर आश्वासन देने की जरूरत नहीं है, बल्कि उसे ''स्थायी शांति, सुरक्षा, पुनर्वास, जवाबदेही और एक विश्वसनीय राजनीतिक रोडमैप की जरुरत है।'' भागवत तीन दिवसीय दौरे पर इंफाल पहुंच गए हैं। इस दौरान वह राज्य में संगठन की गतिविधियों और सामाजिक पहलों की समीक्षा करेंगे।
संगठन के पदाधिकारी ने बताया कि भागवत आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत राज्य में चलाए जा रहे कार्यक्रमों का आकलन करेंगे। केशम ने पोस्ट में कहा कि मणिपुर को शांति चाहिए, केवल संगठनात्मक बैठकें नहीं। भागवत का 18 से 20 नवंबर तक मणिपुर दौरा हमारे राज्य में जारी संकट को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य लंबे समय से जातीय संघर्ष झेल रहा है। इस दौरान निर्दोष लोगों की जान गई, हजारों परिवार विस्थापित हुए, घर और आजीविका के साधन नष्ट हो गए और कई समुदायों के बीच खाई और गहरी हो गई है। उन्होंने सवाल किया कि संघ प्रमुख भागवत का यह दौरा मणिपुर में स्थायी शांति बहाल करने में क्या ठोस योगदान देगा? क्या आरएसएस नेतृत्व हिंसा से प्रभावित विस्थापित परिवारों और समुदायों से सीधे बातचीत करेगा? सिंह ने यह भी पूछा कि क्या मेइती, कुकी-जो और नगा समुदायों के बीच विश्वास बहाली और मेल-मिलाप को बढ़ावा देने के लिए कोई ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी। कांग्रेस विधायक ने कहा कि क्या आरएसएस नेतृत्व लंबे समय से जारी इस संकट के लिए बीजेपी के नेतृत्व वाले राजनीतिक तंत्र की जिम्मेदारी पर भी बात करेगा?'' उन्होंने कहा कि संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा और शताब्दी समारोह आरएसएस के आंतरिक एजेंडे का हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन मणिपुर के लोगों की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सिंह ने कहा कि राज्य को अब और आश्वासनों की जरूरत नहीं है। उसे स्थायी शांति, सुरक्षा, पुनर्वास, जवाबदेही और एक विश्वसनीय राजनीतिक कार्ययोजना चाहिए।



उन्होंने कहा कि यदि आरएसएस नेतृत्व का बीजेपी के राजनीतिक नेतृत्व पर प्रभाव है, तो मणिपुर के लोगों को यह उम्मीद करने का पूरा अधिकार है कि उस प्रभाव का इस्तेमाल शांति, मेल-मिलाप और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए ठोस और निर्णायक कदम उठाने में किया जाएगा। मई 2023 में घाटी में रहने वाले मेइती और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग अब भी लापता हैं। इस संघर्ष के कारण हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस साल फरवरी से पहाड़ी जिलों में कुकी और नगा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोगों की मौत हो चुकी है।

चक्रवात अकवान का खतरा: ओडिशा में 80 हजार से अधिक लोग सुरक्षित निकाले गए

भुवनेश्वर , एजेंसी। ओडिशा सरकार ने चक्रवात 'अकवान' के आसन्न खतरे को देखकर अब तक 80 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। ओडिशा राज्य में 74 बचाव दल तैनात किए गए हैं और एहतियात के तौर पर कई जिलों में शैक्षणिक संस्थान बंद हैं। जिला अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।



भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, भीषण चक्रवाती तूफान 'अकवान' शुक्रवार दोपहर तक उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तटों के बीच, नरसापुर (आंध्र प्रदेश) और पुरी (ओडिशा) के पास गोपालपुर के पूर्व में दस्तक दे सकता है। इस दौरान हवा की अधिकतम निरंतर गति 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे रहने और झोंकों की गति 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। गुरुवार सुबह यह आंध्र प्रदेश के नरसापुर से करीब 440 किलोमीटर और ओडिशा के गोपालपुर से 530 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था और बीते छह घंटों के दौरान 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की ओर बढ़ा है।
ओडिशा के तटीय और दक्षिणी इलाकों में बुधवार रात से हल्की से मध्यम बारिश हो रही है, जिसकी तीव्रता धीरे-धीरे बढ़ने की संभावना है। ओडिशा सरकार ने कुल दो लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। चक्रवात से गंजाम जिले के सबसे अधिक प्रभावित होने की आशंका है, जहां गुरुवार सुबह तक 36,398 लोगों को सुरक्षित आश्रय स्थलों में पहुंचाया जा चुका था। जिले में 308 राहत केंद्र संचालित हैं, जहां विस्थापित लोगों के लिए मुफ्त भोजन की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, गंजाम में 1,098 गर्भवती महिलाओं को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं की टीमें मलकानगिरि, कोरापुट, गंजाम, पुरी सहित विभिन्न संवेदनशील जिलों में तैनात की गई हैं।
मौसम विभाग ने केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, पुरी, गंजाम, गजपति और कंधमाल जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि समुद्र में उठने वाली लहरों के कारण गंजाम और पुरी के निचले इलाकों में 0.5 से एक मीटर तक पानी भर सकता है। चक्रवात के आगे बढ़ने के साथ दक्षिण और उत्तर ओडिशा के तटीय इलाकों में तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है, जिनकी रफ्तार फिलहाल 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे है और झोंकों के साथ 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच रही है।

सोनिया गांधी नागरिकता मामला की सुनवाई 27 को

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के खिलाफ दायर निजी शिकायत पर दिल्ली पुलिस से कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सोनिया गांधी का नाम वर्ष 1980 में मतदाता सूची में दर्ज था, जबकि उस समय तक उन्होंने भारतीय नागरिकता हासिल नहीं की थी। एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट विनोद जोशी ने मामले की अगली सुनवाई 27 नवंबर को तय की है। इसी दिन पुलिस की ओर से दाखिल की जाने वाली रिपोर्ट पर विचार किया जाएगा। शिकायत सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और अधिवक्ता विकास त्रिपाठी ने दायर की है। उन्होंने सोनिया गांधी पर कथित तौर पर जालसाजी और धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता ने मामले में पुलिस कार्रवाई की मांग की है। अदालत अब पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही पर विचार करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सीजेपी, कांग्रेस और आप सहित कई दलों को नोटिस भेजे

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने रामलीला मैदान में होने वाले विरोध प्रदर्शनों को लेकर एक अहम कदम उठाया है। व्यापारियों द्वारा दायर एक याचिका के बाद, अदालत ने अभिजीत दीपके की कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) सहित कई राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किया है। व्यापारियों का तर्क है कि अगर प्रदर्शनों के लिए रामलीला मैदान की अनुमति दी जाती है, तो उनके व्यापार करने के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। व्यापारी पहले भी कांग्रेस के 1 नवंबर को हुए प्रदर्शन को लेकर आपत्ति जता चुके हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली एक बेंच ने इस मामले में सुनवाई की। इस बेंच में जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस वी मोहाना भी शामिल थीं। बेंच ने इससे पहले व्यापारी संगठनों से इन आंदोलनकारी समूहों को पक्षकार बनाने के लिए कहा था। 3 नवंबर को सीजेआई ने इस संबंध में निर्देश दिए थे। बुधवार को अदालत ने स्पष्ट किया कि विरोध करने के अधिकार और व्यवसाय चलाने के अधिकार के बीच संतुलन स्थापित होना बेहद जरूरी है। सीजेपी, आप और कांग्रेस के अलावा, ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन को भी नोटिस मिला है, जिसकी प्रमुख नेहा बोरा हैं। नेहा बोरा अक्सर कांग्रेस और सीजेपी दोनों के प्रदर्शनों में प्रमुख रूप से नजर आती रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस आयुक्त को भी नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस दिल्ली किराना कमेटी और दिल्ली आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट एसोसिएशन की संशोधित याचिका पर दिए गए हैं। व्यापारियों की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत में अपनी दलीलें रखीं। बेंच ने कहा कि नई जोड़ी गई रिट याचिका को रिकॉर्ड पर लिया गया है और नए प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए गए हैं। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि प्रदर्शनकारियों के विरोध करने का अधिकार और दूसरों के मौलिक अधिकार, जैसे कि व्यापार करने का अधिकार, दोनों पर एक साथ विचार किया जाना चाहिए। रोहतगी ने अपनी दलील में बताया कि रामलीला मैदान के पास की थोक मंडियों में विरोध प्रदर्शनों के कारण कारोबारी गतिविधियां बाधित होती हैं। उन्होंने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि रामलीला मैदान को विरोध प्रदर्शन के लिए अधिसूचित स्थानों में से एक के रूप में क्यों रखा गया है, जबकि यह व्यावसायिक गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र है।